

संस्करण : लखनऊ

वर्ष : 11

अंक : 333

पृष्ठ : 6

मूल्य : 1.00

लखनऊ-मंगलवार, 31 मार्च 2026 लखनऊ, प्रयागराज, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित



3 जनसेवा मेरा संकल्प, जनता की मुस्कान ही मेरी

4 विधानसभा चुनाव 2026: तेज हो रही है महिला

5 जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे..अमीषा पटेल ने

18,440 कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं को मिले नियुक्ति पत्र

उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह, अलग-अलग विधाओं में मुख्यमंत्री धामी ने इन्हें किया सम्मानित

ग्राइंडर डेंटिंग ऐप के जरिए लूट करने वाले गैंग का पदाफांश, तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-113 थाना पुलिस ने ऑनलाइन डेंटिंग ऐप के माध्यम से लोगों को फंसाकर लूटपाट और धोखाधड़ी करने वाले एक संगठित गैंग का भंडाफेड़ करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीस हजार नकद, चार मोबाइल फोन, एक बिना नंबर प्लेट की बलेनो कार, पीली धातु की एक चेन और दो फर्जी कार नंबर प्लेट बरामद की हैं। पुलिस द्वारा सोमवार को गैंग का खुलासा कर जानकारी दी गई, उन्होंने बताया कि, आरोपी ग्राइंडर (गे डेंटिंग ऐप) के जरिए बलेनो लोगों से संपर्क स्थापित करते थे और उनसे दोस्ती बढ़ाते थे। इसके बाद किसी सुनसान या तब स्थान पर मिलने के लिए बुलाते थे। मुलाकात के दौरान आरोपी पीड़ित को अपनी बलेनो कार में बैठाकर उसे डराते-धमकाते थे और फिर जबनर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराकर पैसे अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। कई मामलों में पीड़ितों के साथ लूटपाट भी की जाती थी। सोमवार को नोएडा सेक्टर-113 थाना पुलिस ने मैनुअल इंटीलजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से कार्रवाई करते हुए नोएडा सेक्टर-76 से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

देशभर में 1100 से अधिक

बार बम से उड़ने की

धमकी देने वाला अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस ने देश भर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से ज्यादा फर्जी कॉल कर बम से उड़ाने की धमकी देने वाले शांखस को कर्नाटक के मैसूर से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस टीमों के बीच गुरुवार को एक समन्वित अभियान में सदिध श्रीनिवास लुइस (47) को उसके किराए के घर से हिरासत में लिया गया था। हाल के हफ्तों में, दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली विधानसभा और कई शिक्षण संस्थाओं और सरकारी कार्यालयों सहित कई संस्थाओं को बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद तुरंत जांच शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लुइस मूल रूप से बंगलुरु का रहने वाला है और कथित तौर पर अपनी मां के साथ किराये के मकान में रहता है।

दिल्ली-एसीआर में बदला मौसम

का मिजाज, कई हिस्सों में भारी

बारिश गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर से सटे शहरों में अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवा के बाद बारिश हुई। बता दें कि मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही बारिश का अनुमान जताया था। अचानक हुए इस परिवर्तन के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं धूल भरी आंधी और फिर बारिश के कारण कुछ इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के पहले ही इस बात की आशंका जता दी थी कि 30 मार्च को आसमान में बादल छाए रहेंगे और दोपहर से शाम के बीच हल्की बारिश या बूंदबांदि हो सकती है। वहीं, 31 मार्च को भी आसमान में बादल बने रहेंगे और दिन में बहुत हल्की बारिश या बूंदबांदि की संभावना है, जबकि तापमान अधिकतम 29-31 डिग्री और न्यूनतम 19-21 डिग्री के बीच रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अप्रैल को आसमान में बादल बने रहेंगे और तापमान 31-33 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

सुपोषित शिशु और स्वस्थ मां से ही सशक्त भारत-सीएम



लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रेरित करते हुए सोमवार को कहा कि यदि नवजात शिशु सुपोषित और मां

स्वस्थ है, तो भारत का भविष्य सशक्त माना जा सकता है। बोले, अमर नवजात शिशु सुपोषित है और मां स्वस्थ है, तो मानकर चलिए कि भारत का भविष्य सशक्त है। पिछले नौ वर्षों में डबल इंजन

सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं और इन प्रयासों को जमीन पर उतारने में आपकी अहम भूमिका है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे जमीनी

स्तर पर योजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आप यशोदा मैया की भूमिका निभाते हुए बच्चों के पोषण और देखभाल के साथ कुपोषण और बीमारियों के खिलाफ भी लड़ रही हैं। वह पिछले चार वर्षों से इस बात पर जोर दे रहे थे कि हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पास स्मार्टफोन होना चाहिए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका जो मेहनत करती हैं, वह रियल टाइम डेटा समय पर नहीं मिल पाता था, जिससे रैंकिंग प्रभावित होती थी। इसलिए स्मार्टफोन देकर प्रशिक्षित करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन से पांच वर्ष के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में ही शरीर-प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है पहले जो 27 हजार केंद्र वैसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित होते थे, उन्हें

आंगनवाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी और प्री-प्राइमरी को छह वर्ष तक के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को यशोदा मां की उपाधि दी है। यह एक बड़ा सम्मान है और इसकी गरिमा बनाए रखते हुए देश के भविष्य को संवारने और मजबूत नींव तैयार करने की जिम्मेदारी आप पर है। 702 आंगनवाड़ी केंद्रों और 71 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास तथा 2,468 आंगनवाड़ी केंद्रों और 69 परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण किया गया। 169,804 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा मुख्य सहायिकाओं को स्मार्टफोन, दो लाख ग्रोस मॉनिटरिंग उपकरण तथा 18,440 कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

हरिद्वार (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह में उत्तराखंड के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान साहित्य भूषण सम्मान से डॉ. जितेन ठाकुर को सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटुआ, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राव एवं अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान साहित्य भूषण सम्मान से डॉ. जितेन ठाकुर को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटुआ, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राव एवं अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया।

सोमवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सीएम धामी ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों एवं युवा कलमकार प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। सीएम ने साहित्य नारी वंदन सम्मान के तहत प्रो. दिनेश चमोला, उत्तराखंड मौलिक रचना पुरस्कार के तहत डॉ. भूपेंद्र बिष्ट, डॉ. सुधा उपगान, शीशपाल गुप्ताई, उत्कृष्ट कुमाऊं एवं गढ़वाली साहित्य के लिए तारा पाठक, हेमंत सिंह बिष्ट एवं गजेन्द्र नौटियाल को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटुआ, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राव एवं अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया।

भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत भुवनेश्वर में गिरफ्तार, किसानों के प्रदर्शन में गए थे, कार्यकर्ताओं में गुस्सा

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। ओडिशा के भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन चल रहा है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत किसानों को समर्थन देने गए थे, तभी उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किसानों के धरने-प्रदर्शन में शामिल होने जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी की खबर फैलते ही भाकियू कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और आक्रोश का माहौल है। भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन 22 मार्च से विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान

पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसान इस आंदोलन में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान, आंदोलन में शामिल किसानों को गिरफ्तार कर लिया गया है। किसानों के मुताबिक, सरकार ने किसानों के मुद्दों को लेकर धमकी दे रही है। उन्होंने बताया कि ओडिशा

के किसान जल, जंगल और जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाकियू का शीर्ष नेतृत्व इस मामले पर बातचीत कर रहा है और पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि आवश्यकता पड़ी तो इसके विरोध में आंदोलन शुरू किया जा सकता है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब देश भर में किसानों के मुद्दे एक बार फिर चर्चा में हैं।

'आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची'

नक्सलवाद की बहस पर संसद में बोल रहे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मनमोहन ने स्वीकारा था। देश की आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या हथियारी माओवादी है। मगर कुछ नहीं किया गया। 2014 में परिवर्तन हुआ। मोदी जी के शासन के अंदर कई समस्याओं का समाधान हुआ। धारा 370 हट गई, 35ए हट गई, राम जन्मभूमि का मंदिर बन गया। जीएसटी इस देश में वास्तविकता बन गई। विधायी मंडल में मानु शक्ति को 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। कई सारे बड़े काम जो आजवादी से इस देश की जनता चाहती थी। वो सारे बड़े काम पीएम मोदी के शासन में हुए। आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची- अमित शाह लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के 12 राज्यों और आदिवासी

समाज की ओर से वह इस बहस के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद और लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत ने केंद्र सरकार की नीतियों की जोरदार तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद को जड़ से खत्म किया जाएगा और अब यह लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है। कंगना रनौत ने कहा कि 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत एक छोटी चिंगारी के रूप में हुई थी, जिसे उस समय की सरकार चाहती तो रोक सकती थी, लेकिन

उखाड़ने का संकल्प पूरा हो रहा', संसद में बोलीं कंगना रनौत लोकसभा में नक्सलवाद और लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत ने केंद्र सरकार की नीतियों की जोरदार तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद को जड़ से खत्म किया जाएगा और अब यह लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है। कंगना रनौत ने कहा कि 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत एक छोटी चिंगारी के रूप में हुई थी, जिसे उस समय की सरकार चाहती तो रोक सकती थी, लेकिन

कॉंग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज के साथ भेदभाव किया और इस समस्या को बढ़ने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में वैचारिक दूरी को खत्म करने के बजाय उसे और बढ़ाया गया, जिससे वामपंथी उग्रवादियों को पनपने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों ने हजारों हमले किए, 2000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों की जान ली और बच्चों को भी हिंसा की राह पर धकेल दिया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के हाथ में किताब और लैपटॉप होना चाहिए था, उनके हाथ में बंदूक थमा दी गई और पूरे क्षेत्र को रेड कॉरिडोर और नो गो जोन बनाकर छोड़ दिया गया। कंगना रनौत ने कहा कि 2014 के बाद हालात बदलने शुरू हुए और सरकार ने विकास और विश्वास की नीति अपनाई।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव'

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने ममता बनर्जी पर बंगाल के लोगों को धमकाने का आरोप लगाया है। भाजपा का कहना है कि पुलिस प्रशासन की मदद से ममता बनर्जी ने पूरा चुनाव हाईजैक कर लिया है। इसे लेकर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा और ममता बनर्जी की शिकायत की। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकंत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी। 'लोगों को धमका रही ममता बनर्जी' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनी। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस

तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है।' उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दावागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है।

चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दावागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है। लोकतंत्र में वोट एक मतदाता का अधिकार होता है, उसे कोई नहीं छिन सकता है। चुनाव आयोग को मतदाता के वोट को सुरक्षित करना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद नीतीश कुमार ने दिया एमएलसी पद से इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद आज विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हाल ही में 16 मार्च 2026 को उन्हें उच्च सदन यानी राज्यसभा के लिए निर्वाचित चुना गया था। भारतीय संविधान के प्रावधानों और जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार, संसद के किसी भी सदन का सदस्य चुने जाने के बाद 14 दिनों के भीतर राजनेता

को राज्य विधानमंडल (विधानसभा या विधान परिषद) से अपना इस्तीफा देना अनिवार्य होता है। इसी नियम के तहत 30 मार्च को तब समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने अपनी विधान परिषद की सदस्यता त्याग दी। नीतीश

कुमार वर्ष 2006 से लगातार बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे हैं और अब उच्च सदन का रुख कर रहे हैं। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही उनके लंबे राजनीतिक सफर में एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। अब नीतीश कुमार देश के उन चुनिंदा और दुर्लभ राजनेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चारों सदनों में विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा का प्रतिनिधित्व किया है।

'पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं, समाधान चाहिए'; एकजुट रहना जरूरी: प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि युद्ध के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि खाड़ी में फंसे भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सरकार का क्या प्लान है। पूरा देश इस मसले पर एकजुट प्रियंका गांधी ने लोकसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा लोगों की जान खतरे में है क्योंकि ऊपर से बम बरस रहे हैं।

प्रधानमंत्री इस पर क्या कर रहे हैं? लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का क्या प्लान है? युद्ध और संकट के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरा देश इस मसले पर एकजुट है, लेकिन समस्या का समाधान ढूँढना जरूरी है। इसके लिए

संसद में चर्चा होनी चाहिए ताकि सुझाव दिए जा सकें और समाधान निकाला जा सके। तेल-गैस संकट पर भी बोली प्रियंका प्रियंका गांधी ने मौजूदा संकट का हवाला देते हुए कहा जैसे-जैसे यह युद्ध जारी है, समस्याएं बढ़ रही हैं। आज गैस सिलेंडर इतना महंगा हो गया है कि कोई खरीद नहीं पा रहा। भविष्य में पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। ऐसे में सरकार का समाधान क्या है? इससे पहले रविवार को केरल में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था।

राहुल गांधी का बड़ा बयान, कहा,सरकार में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं, जानकर दुख हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने रजनसंसद कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट

किया, जनसंसद में कुछ दिनों पहले काग्रेस ने दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने रजनसंसद कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट

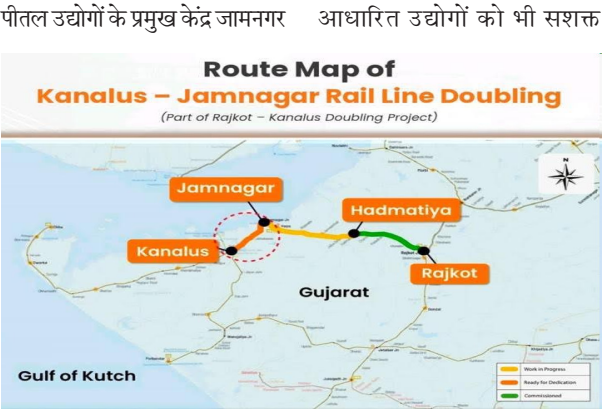
किया, जनसंसद में कुछ दिनों पहले काग्रेस ने दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने रजनसंसद कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट

काग्रेस ने दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने रजनसंसद कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट



प्रधानमंत्री 31 मार्च को गुजरात में महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

गोरखपुर: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे, जहां वे कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। रेल क्षेत्र में, प्रधानमंत्री कनालसड़ जामनगर दोहरीकरण परियोजना (28 किलोमीटर) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो राजकोट झ कनालस दोहरीकरण परियोजना (111.20 किलोमीटर) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही, वे गांधीधामझआदिपुर खंड (10.69 किलोमीटर) के



चौगुनीकरण को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये क्षमता-वर्धन परियोजनाएं रेल लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगी, व्यवस्त मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करेंगी और समय परिचालन दक्षता को बेहतर बनाएंगी, जिससे क्षेत्र में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। कनलसझजामनगर खंड के दोहरीकरण से जामनगर और राजकोट जैसे प्रमुख शहरी एवं औद्योगिक केंद्रों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे रेल सेवाएं अधिक तेज, विश्वसनीय और बार-बार उपलब्ध होंगी, साथ ही इस मार्ग पर अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन भी संभव हो सकेगा। पेट्रोलियम शोधन व

कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा, जिससे व्यावसायिक यात्रा एवं क्षेत्रीय आवागमन अधिक सुगम और सुविधाजनक बनेगा। इसके अतिरिक्त, बेहतर रेल संपर्क से द्वारका में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि इससे क्षेत्र की समग्र पहुंच और संपर्कता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी प्रकार, गांधीधामझ आदिपुर खंड के चौगुनीकरण से कच्छ क्षेत्र, विशेषकर गांधीधाम और आदिपुर के आसपास के इलाकों पर व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह कॉरिडोर बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता के कारण भारी

रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करें

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठाएँ जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 23 से 29 मार्च, 2026 तक गोरखपुर से गोंडवा, गोरखपुर-बस्ती एवं गोरखपुर-बेलथरा रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाकर अनधिकृत/बिना टिकट यात्रियों एवं पैट्रिकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ की आई.डी. की जांच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/बिना बुक सामान के कुल 173 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 1,11,650/- (एक लाख ग्यारह हजार छः सौ पचास रूपए) के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करें।

मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया

गोरखपुर,: उत्पादन इंजीनियर/सिगनल कारखाना ध्रुव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में 30 मार्च,2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, महादेवी वर्मा जी की जयंती, पर विशेष हिंदी कार्यशाला, प्रेमचंद एवं मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना-2025 एवं मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठीहका आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्पादन इंजीनियर/सिगनल कारखाना, श्री ध्रुव कुमार शर्मा ने कहा कि महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की महान कवयित्री थीं। वे हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि सभी रेलकर्मी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और रेलवे बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2025-2026 के निर्धारित लक्ष्यों का अपने कार्यक्षेत्र में शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुये सहायक कारखाना प्रबंधक/सिगनल कारखाना एवं राजभाषा संपर्क अधिकारी श्री बीरेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सभी कंप्यूटर प्रयोक्ताओं द्वारा कंप्यूटर पर यूनिकोड में हिंदी के मंगल फोंट में कार्य किया जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ अनुवादक सुश्री सपना खरे द्वारा विशेष हिंदी कार्यशाला में प्रेमचंद एवं मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना-2025 के बारे में बताया गया तथा मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठी के दौरान जानकारी दी गई। वरिष्ठ अनुवादक श्रीमती अनामिका सिंह ने महादेवी वर्मा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्री गिरिजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर सहायक वित्त सलाहकार/सिगनल कारखाना श्री विनय कुमार बर्नवाल सहित सिगनल कारखाना के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 20 आधुनिक कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 05183/05184 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन आजमगढ़ से 04 अप्रैल से 11 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को तथा बान्द्रा टर्मिनस से 06 अप्रैल से 13 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को 15 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05183 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 04 अप्रैल से 11 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को आजमगढ़ से 23.15 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 23.42 बजे, दूसरे दिन मऊ से 00.35 बजे, आँइडर से 01.32 बजे, बनारस से 02.45 बजे, ज्ञानपुर रोड से 03.47 बजे, प्रयागराज रामबाग से 04.45 बजे, प्रयागराज जं. से 05.10 बजे, गोविन्दपुरी से 08.15 बजे, टूटडला से 12.00 बजे, इंदगाह आगरा से 12.50 बजे, बयाना से 15.32 बजे, गंगपुर सिटी से 16.35 बजे, कोटा से 18.40 बजे, नागदा से 21.50 बजे, रतलाम से 22.50 बजे, तीसरे दिन वडोदरा से 01.55 बजे, सूरत से 03.45 बजे तथा बोरीवली से 07.17 बजे झूटकर बान्द्रा टर्मिनस 08.10 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 05184 बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 06 अप्रैल से 13 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को बान्द्रा टर्मिनस से 10.45 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 11.07 बजे, सूरत से 14.15 बजे, वडोदरा से 15.45 बजे, रतलाम से 20.50 बजे, नागदा से 22.00 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.15 बजे, गंगपुर सिटी से 02.17 बजे, बयाना से 03.22 बजे, इंदगाह आगरा से 05.15 बजे, टूटडला से 06.25 बजे, गोविन्दपुरी से 09.55 बजे, प्रयागराज जं. से 13.05 बजे, प्रयागराज रामबाग से 13.22 बजे, ज्ञानपुर रोड से 14.32 बजे, बनारस से 15.50 बजे, आँइडर से 17.02 बजे, मऊ से 19.10 बजे तथा मुहम्मदाबाद से 19.35 बजे झूटकर आजमगढ़ 20.10 बजे पहुंचेगी।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर, : महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मार्गदर्शन में सिगनल एवं दूर संचार विभाग द्वारा महाप्रबन्धक सभाकक्ष ढाचैतन्यद्व, गोरखपुर में 30 मार्च, 2026 को तीनों मंडलों के वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना, वरिष्ठ उय महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री तुषार कान्त पाण्डेय, अन्य विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, मुख्यालय एवं मंडलों के उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण तथा वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर उपस्थित थे। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि रेलवे के संरक्षा में सिगनल एवं दूर संचार विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। संरक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार के शॉर्टकट का उपयोग नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि सिगनल एवं दूर संचार विभाग के उपकरणों के अनुखण के गुणवत्ता में निरन्तर वृद्धि करने हेतु तत्पर रहना चाहिये। सभी को कार्यक्षेत्र में अद्यतन तकनीक का पूरा प्रयोग करना चाहिये। महाप्रबन्धक ने कहा कि अपने

कार्यान्वित दैनिक कार्यों के अन्तर्गत पोजीशन को रख है। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा ट्रेन संचलन के दौरान रेल ट्रेक पर आने वाले हाथियों के बचाव हेतु नवोन्मेषी तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) इनेबलड इंटरन डिटेक्शन सिस्टम (ई.आई.डी.एस.) का उपयोग करने की योजना बनाई गई है, जिस पर तीव्र गति से कार्य किया जाना है। इसके पूर्व, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना ने संरक्षा में सुधार, ट्रेन संचलन, समपार फटक, अम्ब्रेला कार्यों, सिगनल कारखाना, गोरखपुर छक्की में सिगनल उपकरणों के उत्पादन में वृद्धि, फिरेड में केबल कटने से बचाव हेतु आवश्यक सुधार, कवच, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक सिगनलिंग, एक्सल काउंटर, सिगनल एवं दूर संचार के पर्यवेक्षकों एवं तकनीशियनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, सिगनल एवं दूर संचार सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों आदि पर विस्तृत चर्चा करते हुये मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये तथा कार्यों की समीक्षा की। संगोष्ठी में अन्य विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों ने मंडलों में आ रही समस्याओं के निष्पादन तथा आवश्यक सुधार हेतु प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर और मंडलों के वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियरों से विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक सुझाव दिये।

राजपत्रित अधिकारियों को समापक राशि का प्रपत्र प्रदान करते हुये प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुर: प्रमुख मुख्य कार्मिक कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रेलकर्मियों को समापक राशि का प्रपत्र के पदाधिकारी तथा सेवानिवृत्त होने वाले



अधिकारी मनोज कुमार ने 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण श्री महेन्द्र नाथ मिश्र, सचिव/प्रमुख परिचालन प्रबन्धक श्री शैलेश कुमार सिंह, सहकच परिचालन प्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्र एवं सहकच सुखा आनुर/रेलवे सुखा बल श्री नरेन्द्र कुमार को अपने कक्ष में समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण पत्र प्रदान



उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष/रेलवे भती सेल श्री रणेश कुमार गुप्ता एवं उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री वी.के.द्विवेदी ने कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में 30 मार्च, 2026 को आयोजित एक समारोह में 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले 08 अराजपत्रित

एसबीआई बैंक में लगी आग, नकदी सहित सभी सामान जलने की आशंका

चित्रकूट। सोमवार की सुबह कस्बे के मुख्य मार्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बैंक के अंदर घना धुआं भर गया, जिससे स्थिति अत्यंत भयावह हो गई। धुएं का गुबार इतना अधिक था कि अंदर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके चलते कोई भी व्यक्ति अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने के लिए लगातार मशकत कर रही है। दमकल कर्मियों द्वारा कड़ी मेहनत के बावजूद आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी थी। आग की तीव्रता को देखते हुए बैंक परिसर के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्हें पुलिस द्वारा सुरक्षित दूरी पर रखा जा रहा है। वहीं, प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर उठे हुए हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर बैंक के आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही शाखा प्रबंधक पंकज सिंह सहित अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और न ही अभी तक किसी प्रकार के नुकसान का आधिकारिक आंकलन किया जा सका है।

ड्रग माफिया और उसके भाई पर गैंगस्टर की कार्रवाई, पुलिस आरोपी भाइयों की संपत्ति चिह्नित करने में जुटी

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के ड्रग माफिया सुशील कुमार उर्फ बच्चा पर उत्तर प्रदेश गिरोह बंद समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 के तहत पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। माफिया के गैंग में उसका सगा भाई राजकुमार शर्मा उर्फ बच्चा लिंगा शामिल है। पुलिस जल्द ही आरोपियों की संपत्ति चिह्नित कर जब्त करेगी। ड्रग माफिया सुशील कुमार उर्फ बच्चा ने वर्ष 1990 में अपराध की दुनिया में कदम रखा। जब कई अपराधी पीछे पड़ गए तो उसने काकादेव थाना क्षेत्र के विजयनगर में एक सूअर बाड़ा खोल लिया। पुलिस को शह पर सूअर बाड़े की आड़ में जुआ खिलवाने लगा। साथ ही चरस, गांजे व ड्रस का धंधा शुरू कर दिया। लखनऊ तक नेटवर्क बना लिया। पश्चिम बंगाल, उड़ीसा व नेपाल से थोक मादक पदार्थ लाकर बेचने लगा। काकादेव इंस्पेक्टर राजेश शर्मा ने बताया कि आरोपी सगे भाइयों ने गांजा समेत अन्य मादक पदार्थ बेचकर अवैध तरीके से धन अर्जित किया है।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात की टक्कर से तीन युवकों की मौत

बभनान(बस्ती)। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बभनान बाजार से घर लौट रहे थे। तीनों युवक गोंडा जनपद खोड़ारे थाना क्षेत्र रहने वाले थे। मौके पर हेलमेट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब 8:30 स्थानीय कस्बे से सटे बभनान-गौरा चौकी मार्ग पर पड़ोसी जनपद गोंडा के खोड़ारे थाना क्षेत्र अंतर्गत बुकनापुर गांव के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में आने से तीन मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने हादसे को जानकारी पुलिस को दी और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। युवकों की पहचान पहचान खोड़ारे थाना क्षेत्र के सिक्की टप्पाकोट गांव निवासी अमरदीप (23), इसी थाना क्षेत्र के खुटिहन गांव निवासी श्री श्याम (19) और ऋतिक (20) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक तीनों युवक रविवार की रात करीब 8:30 बजे मोटरसाइकिल से बभनान से गौरा चौकी की तरफ जा रहे थे। अभी वह बुकनापुर गांव के समीप पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे पड़े हुए थे। इस संबंध में गौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी निरीक्षक भास्कर यादव ने कहा कि अस्पताल पहुंचने के पहले तीनों की मौत हो चुकी थी।

दहेज मांगने के आरोप में पति समेत पांच पर प्राथमिकी

बभनान। प्रेम विवाह के बाद दहेज में पांच लाख रुपये, दो पहिया वाहन के लिए नव विवाहिता को प्रताड़ित करने के आरोप में पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। गौर थाना क्षेत्र की डुहवा गांव निवासी नसीबुन पत्नी मोहम्मद आजाद ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि हरैया थाना क्षेत्र के सेरवाडीह गांव निवासी मोहम्मद आजाद पुत्र निजामुद्दीन ने 16 नवंबर 2024 को कोर्ट मैरिज किया और निकाह के बाद आजाद अपने घर ले गया। उसके रिश्तेदार खाला शरीफुल पत्नी साधु, हुन्नी पत्नी सिद्धू व सिद्धू का लड़का राजीव व निजामुद्दीन पुत्र करम अली ने काफी विरोध किया तो पीड़िता के पति आजाद ने समझा बुझाकर मायके भेज दिया और कहा कि कुछ दिन बाद सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद 16 फरवरी 2026 को ससुराल वालों से बात किया तो उन लोगों ने कहा कि 5 लाख और दो पहिया राइडर गाड़ी दो तभी विदाई कराएंगे। इस बाबत थानाध्यक्ष गौर अतुल कुमार अंजान ने बताया कि एस्पॉ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

बालक वर्ग में आठ खेलों में हुआ मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल

बस्ती। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित खेल छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2026-27 के लिए शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में चल रहे विभिन्न खेलों के चयन-ट्रायल में रविवार को आठ खेलों में बालक वर्ग का चयन-ट्रायल हुआ। इसमें खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया। मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल के तीसरे दिन स्टेडियम में क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो और हैंडबॉल खेल में खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया। खेल निदेशालय के निर्देश पर 30 मार्च तक मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल का शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल होने का मौका मिलेगा। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि सोमवार को पांच खेलों में बालिका वर्ग का मंडलीय ट्रायल होगा। इसमें सफल खिलाड़ी तीन अप्रैल से 24 अप्रैल तक विभिन्न जनपदों में आयोजित प्रदेश स्तरीय चयन-ट्रायल में हिस्सा लेंगे। सफल होने पर प्रवेश पाएंगे। खिलाड़ियों के लिए एव यह बेहतर अवसर है कि प्रदर्शन कर स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला ले सकेंगे।

चार केंद्रों पर 47,934 कॉपियों का हुआ मूल्यांकन

बस्ती। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन रविवार को भी हुआ। जिले के चार मूल्यांकन केंद्रों पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में कुल 47,934 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें हाईस्कूल में 23,098 और इंटरमीडिएट की 24,836 कॉपियां शामिल हैं। बताया गया कि अभी इंटरमीडिएट में 52,144 और हाईस्कूल में 70,062 कॉपियों का मूल्यांकन शेष है। रविवार को जीजीआईसी में इंटरमीडिएट की 10,896, शिवहरष किसान इंटर कॉलेज में 13,940 और जीआरएस में हाईस्कूल की 8901 तथा श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज में 14,197 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया है। अब तक हाईस्कूल में 2,14,733 कॉपियां जांची जा चुकी हैं, जबकि इंटरमीडिएट में 1,79,140 कॉपियों का मूल्यांकन किया जा चुका है। डीआईओएस संजय सिंह ने बताया कि तय अवधि में सभी कॉपियों का मूल्यांकन कर लिया जाएगा।

एक किलो गांजा के साथ सगे भाई गिरफ्तार

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने शनिवार की रात एक किलो गांजा के साथ दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को 11:55 बजे अमहट पुल के पास विशाल उर्फ श्याम (22) उसके भाई विनायक उर्फ प्रिंस (19) निवासी रौतापार स्थायी पता ग्राम चितवाही थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर सदिध हालत में घूम रहे थे। पुलिस ने दोनों पकड़कर तलाशी ली तो पास से एक किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि विनायक का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ कोतवाली बस्ती में विभिन्न मामलों में 12 मामले दर्ज हैं। कोतवाली मोतीचंद ने बताया कि दोनों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया गया है।

दहेज उतपीड़न के मामले में पति समेत पांच नामजद

बस्ती। जिले की गौर पुलिस ने दहेज उतपीड़न के मामले में पति समेत पांच ससुरालियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़ित नसीबुन ने थाने में तहरीर देकर बताया कि शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग उनसे दहेज की मांग कर रहे थे। इससे मना करने पर उनका उतपीड़न किया जाने लगा। उन्हें मारने पीटने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने पति आजाद, ससुर निजामुद्दीन, मौसी शरीफुल, हुन्नी और राजीर के खिलाफ दहेज उतपीड़न अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले को छानबीन में जुट गई है।

ट्रैक्टर हटाने के विवाद में खूनी संघर्ष बुजुर्ग की मौत

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा मुस्तहकम गांव में शनिवार की देर रात दो पक्ष आमने-सामने हो गए। कहासुनी के बाद मामला खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। लाठी-डंडे के साथ एक दूसरे पर लोग दुश्मन बनकर टूट पड़े। इस घटना में एक बुजुर्ग समेत पांच लोग घायल हो गए। ओपेक चिकित्सालय कैली में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गांव के रहने वाले रात कुवेर गौड़ और उनके पीड़ितों विभिन्न यादव के बीच आपसी विवाद चल आ रहा था। शनिवार की रात करीब 9:30 बजे ट्रैक्टर हटाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। कुछ देर में मामला हिंसक रूप ले लिया। लाठी-डंडों से लैस होकर दोनों पक्ष एक दूसरे पर टूट पड़े। इस घटना राम कुवेर गौड़ (75) को गंभीर चोट आई।

हार्दिक का दिल जीतने वाला वादा ! लॉर्ड शार्दूल से क्यों कहा- करियर खत्म होने तक एमआई पलटन में रहे ?

मुंबई। आईपीएल 2026 में शार्दूल टाकुर ने मुंबई इंडियंस के लिए शानदार डेब्यू करते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। हार्दिक पांड्या ने उन्हें लंबे समय तक टीम में बने रहने का भरोसा दिया। वहीं रिकेल्टन की शानदार बल्लेबाजी ने जीत की नींव रखी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए शार्दूल टाकुर का डेब्यू किसी अपने के सच होने जैसा रहा। 2011 से 2013 तक टीम के नेत बॉलर रहने के बाद आखिरकार उन्हें इस सीजन खेलने का मौका मिला। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में शार्दूल ने 3/39 का शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और टीम को जीत दिलाई। वानखेड़े की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर 4.44 रन बने, लेकिन शार्दूल को गेंदबाजी ने फर्क पैदा किया। हार्दिक पांड्या का बड़ा शक्यम मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने शार्दूल को लेकर प्लेल खुलने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शार्दूल से इस सीजन कहा है कि अब काफी प्रेंचेंडाइजी बदल ली, मैं चाहता हूँ कि आप अपने करियर के अंत तक यहीं रहें।' हार्दिक ने उनकी तारीफ करते हुए आगे कहा, 'वो एक शानदार इंसान हैं, उनका दिल बहुत बड़ा है। जिस तरह वो बल्लेबाज को चकमा देने की कोशिश करते हैं, वो कमाल है। उनके लिए मैं बहुत खुश हूँ।'

जनसेवा मेरा संकल्प, जनता की मुस्कान ही मेरी असली पूँजी: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने सरकारी आवास, 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जन-समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति और पूरी सवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किया जाए। भावुक हुए उप मुख्यमंत्री गरीबी को जिया है, इसलिए दूर समझता हूँ जनता दर्शन के दौरान लोगों से संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री अखंत भावुक नजर आए। उन्होंने कहा



मैं स्वयं एक गरीब परिवार से निकलकर यहाँ तक पहुँचा हूँ। गरीबी और अभाव

मन से जनसेवा करता हूँ। श्री मौर्य ने आगे कहा कि उनके लिए सबसे संतोषजनक क्षण वह होता है, जब लोग अपनी समस्याओं के समाधान के बाद दोबारा आभार प्रकट करने आते हैं। उन्होंने कहा, जब किसी पीड़ित का काम हो जाता है और वह उस खुशी को साझा करने मेरे पास आता है, तो मेरा मन उत्साह से भर जाता है। जनता के चेहरे की वह मुस्कान ही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राजनीति उनके लिए केवल पद नहीं, बल्कि

सेवा का माध्यम है। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। मेरा अटूट संकल्प है कि मैं अपने जीवन के खून की आखिरी बूंद तक जनता की सेवा में समर्पित रहूँ। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि जनहित के कार्यों में लापरवाही या भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज के जनता दर्शन में मुख्य रूप से भूमि विवाद, चिकित्सा सहायता, आवास आवंटन और पुलिस प्रशासन से संबंधित मामले आए।

श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में धूमधाम से मनाई महावीर जयंती

लखनऊ (संवाददाता)। सोमवार को आशियाना स्थिति श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में अहिंसा और करुणा के संदेश के साथ धूमधाम से मनाई गई महावीर जयंती। अहिंसा और अपरिग्रह के प्रणेता जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार को श्री दिगंबर जैन सेवा समिति आशियाना द्वारा अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रातः काल प्रभात फेरी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें श्रद्धालु भगवान महावीर के जयकारों के साथ गाते बजाते जैन धर्म की ध्वजा लिए सड़कों पर निकले। मुख्य समारोह श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में आयोजित हुआ, जहाँ विद्वान पंडित राजीव जैन शास्त्री के सानिध्य में भगवान महावीर का अभिषेक और शांतिधारा संर्पन हुई। उपस्थित साधर्म्य बंधुओं ने सामूहिक आरती एवं श्री महावीर विधान कर विश्व शांति की कामना की। समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन ने बताया कि प्शाज के अशांत युग में भगवान महावीर के सिद्धांत सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

संक्षिप्त खबरें राजधानी में आप छात्र विंग ने सड़क पर बजाई थाली, एलपीजी के लिए प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी के छात्र विंग ने एलपीजी सिलेंडर के लिए प्रदर्शन किया। करीब 10 छात्रों ने फैसलबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे के ग्लोब पार्क से निकलकर कलेक्ट्रेट की ओर मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो नोकझोंक हो गई। आप छात्र के हाथ में छोटी थाली थी थी जिसे बजाकर सभी नारे लगा रहे थे। खाली थाली, बंद किताब, जिम्मेदार नंदद साहब, नार लगाते हुए बढ़े। उनका कहना था कि एलपीजी की आपूर्ति संकट का असर अब छात्रों पर भी दिखने लगा है। भाजपा सरकार सिलेंडर देने में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। प्रदर्शन में शामिल सूरज कुमार ने कहा एलपीजी संकट का सबसे अधिक असर उन छात्रों पर पड़ रहा है जो अपने घर से दूर रहकर दिल्ली, लखनऊ, इलाहाबाद और बनारस आदि शहरों में पढ़ाई कर रहे हैं। 10म10 के कमरों में रहने वाले छात्रों छात्रों के पास न तो स्थायी सैक कनेक्शन है और न ही इलेक्ट्रिक चूल्हे की सुविधा। छात्र अब तक छोटे दुकानदारों से दो-तीन किलो गैस खरीदकर किसी तरह अपना गुजारा कर रहे थे, लेकिन मौजूदा संकट ने इस व्यवस्था को भी प्रभावित कर दिया है। प्रदर्शन कर रहे अंशुल ने कहा गांवों से आए छात्र एक वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। उनके सामने सिलेंडर का संकट आ गया है। आमप्रकाश राजभर खुद छात्रनेता रहे, आज वह छात्रों के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। सोएम योगी भी कुछ नहीं कर रहे हैं। आज हम लोग राज्यपाल को ज्ञापन देकर छात्रों की इस समस्या से अवगत कराएंगे।

सड़क हादसे में प्लाई बोर्ड कंपनी के मैनेजर की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के काकोरी इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से प्लाई बोर्ड कंपनी के मैनेजर की मौत हो गई। मैनेजर द्युटी खत्म करके अपने घर जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फैसलपुर मलिहाबाद निवासी संदीप यादव (26) पूरा फूलचंद आलमबाग स्थित श्री श्याम प्लाई बोर्ड कंपनी में मैनेजर थे। शनिवार रात द्युटी के बाद अपने घर जा रहे थे। आगरा एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के सर्विस लेन के पास पहुंचे थे। तभी करीब 11 बजे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक पर दो लोग सवार थे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। वहां संदीप की सोमवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरे युवक का जबड़ा टूट गया, जिसका इलाज चल रहा है। संदीप के परिवार में माता-पिता और चार भाई हैं, संदीप तीसरे नंबर पर था। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले में पुलिस का कहना है पोस्टमॉर्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। आगे की कार्रवाई संबंधित थाने को दी जाएगी।

आयुर्वेद स्टाफ नर्स चयनित अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आयुर्वेद स्टाफ नर्स चयनित अभ्यर्थियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया । नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर अभ्यर्थी पहले डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास पहुंचे। उसके बाद प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय का रुख किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि 2023 में भर्ती निकली थी। जिसके बाद लगातार नौकरी के लिए भटक रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा जनवरी 2023 में (स्टाफ नर्स आयुर्वेद) की भर्ती निकली। मुख्य परीक्षा 23 फरवरी 2025 को आयोजित की गई। अंतिम परिणाम आयोग द्वारा 4 जुलाई 2025 को अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई थी। 15-17 जुलाई 2025 को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हुआ। उसके बाद शारीरिक परीक्षण 23 दिसम्बर और 30 दिसम्बर 2025 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा किया गया। भर्ती की सभी प्रक्रिया पूरी होने के 8 महीने बाद भी अभी तक नौकरी नहीं मिली। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के आयुष अस्पतालों में स्टाफ नर्सों की कमी के बावजूद इस महत्वपूर्ण भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी जनहित में भी उचित नहीं है। मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री समेत तमाम अधिकारियों के दमनर और आवास के चक्कर काट रहे हैं। मगर कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

स्टेशन पर सो रही मां की गोद से बेटा चोरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ स्टेशन पर सो रही एक मां की गोद से बेटा चोरी हुआ। वह पति से झगड़ा करके अमेठी से अपने 3 छोटे बेटों को लेकर लखनऊ आई थीं। यहां रात में स्टेशन पर सो गईं। सुबह जागी तो उसका एक बेटा वहां पर नहीं मिला। पूरा मामला 22 फरवरी 2026 का है। पति ने चारबाग जीआरपी में 30 मार्च को शिकायत दी है। इससे पहले अमेठी के थाना सुल्तान वारिसगंज में शिकायत दी थी। अमेठी के अजुनूनगर गांव निवासी धर्मेश के अनुसार, 22 फरवरी को पत्नी से कहासुनी हो गई थी। वह तीनों बेटों को लेकर कहीं चली गईं। इसकी सूचना थाने में दी तो पत्नी 3 दिन बाद 25 फरवरी को घर लौट आईं। उसके साथ दो बेटे थे लेकिन छोटा बेटा उरस्मान (5) नहीं था। पूछने पर उसने बताया कि बेटा सोते समय स्टेशन से कहीं लापता हो गया। पत्नी के अनुसार, वह लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 (छोटी लाइन) पर रात में सो गई थी। सुबह जब नंद खुली तो छोटा बेटा वहां नहीं था। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पिता ने जीआरपी चारबाग में शिकायत दर्ज कराई थी। जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिसवालों को चप्पल से पीटा, वर्दी फाड़ी, सिपाहियों ने भागकर जान बचाई

लखनऊ (संवाददाता)। रविवार को महिलाओं ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। लोगों ने सिपाहियों को लाठी-डंडों से पीटा। ईंट-पत्थर चलाए। महिलाओं ने सिपाहियों की वर्दी फाड़ दी। उन्हें चप्पल से मारा। सोमवार को घटना का सीसीटीवी सामने आया। मामले में 3 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। घटना इटौजा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की है। हमलावर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कल्याणपुर गांव में जितेंद्र उर्फ निर्मल कनौजिया रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, जितेंद्र ने डायल-112 को सूचना दी कि कुछ लोग गांव में अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य करा रहे हैं। सिपाही श्रवण कुमार अपने एक साथी के साथ मौके पर पहुंचे तो जानकारी झूठी निकली। लोग अपने घर के दरवाजे पर निर्माण कर रहे थे। कोई अवैध कब्जा नहीं था। इस पर पुलिसकर्मियों ने झूठी सूचना देने पर नाराजगी जताई। इस मामले में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करने से भी मना कर दिया। इस पर जितेंद्र और उसके पृथ के लोग भड़क गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, जितेंद्र की ओर से महिलाएं भी आ गईं। उन्होंने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की तो उनकी वर्दी फाड़ दी। ईंट-पत्थर फेंके। उन्हें चप्पल से मारा। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। महिलाओं ने कहा, इसमें कोई पुलिसकर्मियों की वर्दी उतरवा चुके हैं, तब लोगों की भी उतरवा दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों अपने पहुंचे। श्रवण कुमार ने जितेंद्र, धीरज, रामचर्यप, निर्मल सिंह उर्फ छोटे, रामयंत्र और पृथेंद्र ब्रह्मण आदि लोगों के खिलाफ शिकायत दी। घटना से जुड़ा 26 सेकंड का सीसीटीवी सामने आया है। फुटेज में महिलाएं पुलिसकर्मियों को पत्थर और चप्पल से मारती दिख रही हैं।

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में

विधानसभा चुनाव में करीब एक साल बाकी हैं, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। नोएडा को राजनीतिक गलियारे में शापित माना जाता था, आज नोएडा में बैक टू बैक रैलियां हो रही हैं।बिजेपी की तरफ से जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया गया, जहां पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी ने अखिलेश यादव के नोएडा न आने पर जमकर निशाना साधा था।29 मार्च को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दादरी में समानता भाईचारा रैली को संबोधित किया। सपा के कार्यक्रम को योगी सरकार के मंत्रियों ने फलाप बताया है लेकिन सपा ने कई संदेश देने की कोशिश की है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय

प्रवक्ता और रैली संयोजक राजकुमार भाटी ने चुनाव न लड़ने का ऐलान करते हुए कहा कि वह तीन संदेश देना चाहते हैं। पहला तो जब 2011 में पश्चिमी यूपी से ही उन्होंने प्रचार की शुरुआत की थी, तो हमारी सरकार बनी थी।2012 में वेस्ट यूपी में हमें कमजोर माना जाता है। जन विरोधी नीतियों से जनता परेशान है, जल्द छुटकारा चाहती है। पीडीए से जनता जुड़ रही है।वर्तमान व्यवस्था में जितनी कानून व्यवस्था खराब है, इतनी कभी नहीं रही। एनसीआरबी के आंकड़े देख लीजिए, डेढ़ गुना ज्यादा क्राइम है।खुलडोजर सिर्फ विध्वंस करता है। हमने जानबूझकर प्रतिमा लगाई है। उन लोगों को संदेश देना चाहते हैं, जिन्होंने मिहिर भोज की प्रतिमा पर कालिख पोती थीं। मैं 2022 में चुनाव

लड़ा था।2017 में चुनाव लड़ा था और मैंने तय किया है इस बार चुनाव नहीं लड़ूंगा और 140 सीटों पर प्रचार करने जाऊंगा। 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सपा ने दादरी से चुनावी संखनाद किया है। दादरी के मिहिर भोज कॉलेज में सपा की प्समाजवादी समानता भाईचारासभा से बड़ी रैली हुई।मंच के केंद्र पर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा लगी हुई थी, जिसपर अखिलेश यादव ने माल्यापंण किया।सपा की नजर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 32 जिलों की 140 विधानसभा सीटों पर है। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जैसे शहरी इलाके बीजेपी के मजबूत गढ़ माने जाते हैं, इसलिए वहां से रैली सपा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।रैली को कामयाब बनानेकेलिए पिछले

8 महीने से सपा पदाधिकारी तैयारी कर रहे थे।अखिलेश यादव ने मंच से कहा, श्राजकुमार भाटी ने कौन सा वैज्ञानिक अग्रोच अपनाया है कि जो रेशमी अंदर आ रही है वो लाल लाल दिखाई दे रही है। इस रैली की चर्चा ने न जाने कितने लोगों के होश उड़ा दिए थे। कल भी रैली हुई थी उसकी पोल हमारे बहुत लोगों ने खोल दी है। नया जमाना है, कोई कैम्परे से नहीं बच सकता है। उस रैली में लोग आए नहीं थे लोगों को लाया गया था।हुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली पार्टी को सरकारी कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा।बीजेपी की दिल्ली से और उत्तर प्रदेश से छुट्टी तय है। अखिलेश यादव ने कहा, रजो लोग हवाई अड्डे का उद्घाटन कर रहे थे, पहले भी उद्घाटन हुए हैं।समाजवादियों की देन

है उसमें, 7 उद्घाटन किए गए थे 6 बंद हो हो गए हैं।कम से कम ये वादा करके जाते कि उद्घाटन के बाद इसे बेचा नहीं जाएगा।लगता है कि उद्घाटन ही बेचने के लिए लिया गया है। एटीएम की बातें सुनने को मिली हैं।हम लोग 10 साल से सरकार में नहीं है, कम से कम अपनी छोटी एटीएम एटीएम का हिसाब किताब कर लेते।एटीएम का क्या फुल फॉर्म हो सकता है, वो छोड़कर जा रहा हूँ, मीडिया के सामने। सुने हैं शएर पर बहुत मेहरबान रहते हैं कुछ लोगअखिलेश यादव ने कहा कि मिहिर सम्राट भोज की प्रतिमा का सम्मान करने का मौका मिला है हमने वो लड़ाई लड़ी थी जब दूसरे लोग हमारा सम्मान छीनना चाहते हैं।अति प्रतिष्ठित जगह हैं, अपने सम्मान देने का काम किया है।

मायावती ने बुलाई बड़ी बैठक, यूपी चुनाव को लेकर पदाधिकारियों को दे सकती है बड़े निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव 2027 की तैयारी में सभी पार्टियां जुट गई है। इसी कड़ी में सत्ता का वनवास खेल रही बसपा सुप्रोमो मायावती भी जमीनी स्तर पार्टी को मजबूत करने की कोशिस में जुटी है। बसपा सुप्रोमो ने 31 मार्च को राजधानी लखनऊ में एक अहम बैठक बुलाई है इस बैठक में 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती का कार्यक्रम और पार्टी में अपने भतीजे आकाश आनंद की भूमिका को लेकर बड़ा निर्णय ले सकती है। बसपा सूत्रों के मुताबिक आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आकाश आनंद को जिलेवार अभियान की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। पार्टी पत्र जारी कर बताया लखनऊ स्थित 12 मॉल एवेन्यू कार्यालय में होगी बैठक। सुबह 11 बजे से शुरू होगा अहम कार्यक्रम बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती करंगी बैठक की अध्यक्षता। यूपी स्टेट व जिला कमेटी के पदाधिकारी हेंगि शामिल संगठन की जमीनी व आर्थिक मजबूती पर होगा मंथन पार्टी विस्तार और चुनावी तैयारियों की होगी समीक्षा कार्यों की रिपोर्ट और भविष्य की रणनीति पर चर्चा।



28 लाख छात्रों को 3,350 करोड़ स्कॉलरशिप मिली, योगी बोले पहले आधी रकम सपाईं डकार जाते थे

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा, सपा सरकार में एससी,एसटी बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं दी गई। छात्रवृत्ति के पैसै को दूसरे कार्यों में डायवर्ट कर दिया गया। जिन्हें मिलती थी, उनका आधा पैसा सपा के लोग डकार जाते थे। 2017 में हमारी सरकार सत्ता में आई तो सपा के कार्यकाल वाली छात्रवृत्ति भी देनी पड़ी। आज सभी छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दी जा रही है। सोएम ने लखनऊ में झंडी गांधी प्रतिष्ठान के जुगुपट हॉल में वक्शा 9 व 10 के साथ-साथ दशमोत्तर स्तर के कुल 27,99,982 छात्र-छात्राओं को

छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप दी। 3,350 करोड़ रुपए सिधे उनके खाते में ट्रान्सफर की गई। 33,334 गरीब परिवारों के आश्रित सदस्यों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की मदद भी दी गई। ये स्कॉलरशिप आपकी मंजिल नहीं है। परिश्रम आपकी मंजिल है। स्कॉलरशिप के पैसै का दुरुपयोग मत करना। आपको सपोर्ट करने और बढ़ने के लिए एक स्ट्रेटजी बनाने दिवा गया है। नए अधिकारी बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाएरू अभ्युद्य कोचिंग को हर जिले में चर्चुअल और फिजिकल चालू करना

चाहिए। समाज कल्याण विभाग को और काम करने की जरूरत है, ताकि यूपीएससी, एनडीए, सीडीएस, आईआईटी आदि की तैयारी हो सके। जो हमारे नए अधिकारी चयन होकर आते हैं, उन्हें एक घंटे हर जिले में इस कोचिंग में पढ़ाना चाहिए। अब योजनाओं को भ्रष्टाचार नहीं हो सकतारू तकनीक का यही लाभ है कि सरकारी 1000 पेंशन क्यों दे रही है ? जबकि उनके समय में300 पेंशन मिलती थीं। 6 महीने में एक साथ पैसा दिया जाता था, आधी रकम इनके लोग डकार लेते थे।विधवा महिलाओं की राशि भी आधी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। आज कोई भ्रष्टाचार नहीं कर सकता। लोगों को मालूम है कि ऐसे लोगों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दिया जाता है।

की योजनाओं में भ्रष्टाचार, पारिवारिक लाभ की योजना में भ्रष्टाचार, छात्रवृत्ति में भ्रष्टाचार किया गया। सपा सरकार में पैसा डकार जाते थे लोगरू में अभी सपा के अध्यक्ष का बयान सुन रहा था कि सरकारी 1000 पेंशन क्यों दे रही है ? जबकि उनके समय में300 पेंशन मिलती थीं। 6 महीने में एक साथ पैसा दिया जाता था, आधी रकम इनके लोग डकार लेते थे।विधवा महिलाओं की राशि भी आधी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। आज कोई भ्रष्टाचार नहीं कर सकता। लोगों को मालूम है कि ऐसे लोगों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दिया जाता है।

शराब पीकर गाली देने पर बड़े ने की छोटे भाई की हत्या

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई के सिर-चेहरे पर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। दोनों ने रात में शराब पी थी। उसके बाद झगड़ा किया। झगड़े में बड़े भाई ने मां की गाली दी। इस पर छोटे ने धमकी दी कि अगर तुम बड़े न होते तो तुमको आज मार डालता। इस पर मां ने बीचबचाव कर दोनों को शांत करा दिया। छोटा भाई जब सो गया तो बड़ा भाई छत से उतरकर उसके कमरे में रॉड लेकर पहुंचा। उसने सो रहे छोटे भाई के सिर और चेहर पर लोहे के रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला बंधरा थाना क्षेत्र के खोंडेदेव गांव का है। वारदात रविवार रात करीब 11 बजे की है। इसकी जानकारी सोमवार तड़के मां को हो बुई जब वह छोटे बेटे को जगाने गईं। उसके चेहरे से चादर हटाई तो सिर और चेहरा खून से सना हुआ था। जब देखते ही मां बिलख पड़ी। इससे पड़ोसी भी जागकर उठे आ गए। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सुबह बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान आलोक उर्फ गोलू (24) के रूप में हुई। बड़े भाई श्रवण गौतम (30) ने उसके सिर पर रॉड से मारा। आरोपी 3 भाई हैं। भइल्ला

भाई वीरेंद्र उर्फ अटल मानसिक रूप से कमजोर है। पिता पुरीलाल की 8 साल पहले मौत हो गई थी। बंधरा थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया सोमवार सुबह सूचना मिली कि किसी ने युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। जब मौके पर खंडेदेव गांव पहुंचे तो पता चला कि आलोक के सिर पर उसके सगे बड़े भाई श्रवण ने रॉड मारकर हत्या की है। दोनों में किसी बात को लेकर रात करीब 9.30 बजे झगड़ा हो गया था। उसके बाद दोनों सोने चले गए। जब आलोक सो गया तो उसी दौरान श्रवण ने मौका पाकर उसके सिर पर लोहे के रॉड से हमला कर दिया जिससे आलोक की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की मां यशोदा देवी की शिकायत के आधार पर बड़े बेटे पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मृतक के पिता पुरीलाल की 8 साल पहले मौत हो चुकी है। बड़ा भाई श्रवण और छोटा भाई आलोक मजदूरी करते हैं। रविवार रात करीब 9.30 बजे घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी दोनों भाइयों में बहस हो गई। श्रवण ने आलोक को मां की गाली दी। इस पर आलोक ने श्रवण को धक्का देते हुए मार डालने की धमकी दी। घरवालों

ने बीचबचाव कर दोनों को अलग कर दिया। उसके बाद श्रवण छत पर सोने चला गया, जबकि आलोक कमरे में सो गया। रात में श्रवण उठकर नीचे आया और लोहे का रॉड लेकर सोते हुए आलोक के ऊपर ताबड़तोड़ वार कर दिए। भोर में मां ने बिस्तर पर छोटे बेटे की डेडबॉडी देखी तो 5.30 बजे डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने श्रवण को हिरासत में ले लिया। वह उस समय भी शराब के नशे में था। तीनों भाई अविवाहित हैं। दो बहनें कंचन और फिरन हैं, दोनों बहनों की शादी हो चुकी है। मृतक और आरोपी की मां यशोदा गर के बाहर बैठी हैं। वह कभी रोने लगती हैं तो कभी गुमसुम हो जाती हैं। उन्होंने पूछने पर बताया-दोनों में खाना खाने से पहले झगड़ा हुआ। उसके बाद गोलू ने खाना नहीं खाया। श्रवण ने मां की गाली दी तो गोलू ने कहा कि गाली मत देना नहीं तो मार डालूंगी। तुम बड़े हो इसलिए हाथ नहीं लगाना चाहता। बस इतनी ही बातें थीं। उसके बाद दोनों ने ही खाना नहीं खाया था। गोलू जब भी शराब पीता था तो खाना नहीं खाता था। कल मैं तीनों भाइयों के लिए 3 थाली परोसी।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया एप्स पर सख्त प्रतिबंध को लेकर तेज होती आवाजें

सोशल मीडिया पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे माता-पिता और अभियान समूहों ने लॉस एंजिल्स की एक ज्यूरी के 6 हफ्ते चली बहस के बाद दिए गए फैसले का स्वागत किया। ज्यूरी ने कहा कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप, जो मेटा कंपनी और यूट्यूब जो गूगल की ऐप है, ने जानबूझ कर ऐसे व्यसनकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए, जिनसे कैली, एक 20 साल की लड़की, ने दावा किया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने उसकी निजी समस्याओं को और बढ़ा दिया और उन्हें बॉडी डिस्मॉर्फिया, डिप्रेशन और आत्महत्या के विचारों से ग्रस्त कर दिया।मुआवजे के तौर पर कैली को 3 मिलियन डॉलर दिए गए।यह मेटा के खिलाफ ऐसे दावों पर ज्यूरी द्वारा दिया गया पहला फैसला है, क्योंकि कंपनी पर उसके प्लेटफॉर्मों द्वारा युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर मुकदमों की बाढ़ आ गई है। हालांकि मेटा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम इस फैसले से पूरी तरह असहमत हैं और अपील करेंगे।हम अपने प्लेटफॉर्मों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और हानिकारक तत्वों या सामग्री की पहचान करने और उन्हें हटाने की चुनौतियों से भली-भांति परिचित हैं।एक बयान में, न्यू मैक्सिको के अर्टार्नी जनरल राउल टोरेज, जो एक डैमोक्रेट हैं, ने इस फैसले को हर उस बच्चे और परिवार के लिए एक ऐतिहासिक जीत बताया, जिसने मेटा द्वारा बच्चों की सुरक्षा से ऊपर मुनाफे को प्राथमिकता देने के कारण नुकसान उठाया है।उन्होंने कहा, ज्यूरी द्वारा मेटा को दिए जाने वाले भारी हजार्नें से बड़ी टैक कंपनियों के अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि कोई भी कंपनी कानून की पहुंच से बाहर नहीं है।इस परिणाम का असर संभवतःरू अमरीका की अदालतों में चल रहे सैकड़ों ऐसे ही मामलों पर पड़ेगा।ऑनलाइन एप्स किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उन्हें सोशल मीडिया के एडिक्ट, हिंसक तथा अवसादग्रस्त बना रहे हैं, जिसका अंततः उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी खराब असर पड़ता है।दूसरी ओर जर्मनी में भी एक महिला अभिनेत्री ने दावा किया कि गोर्ग नामक एक ऐप ने उसकी फर्जी तस्वीरें और फर्जी डाटा अपलोड किया।उसने कहा कि इससे उसका सारा करियर चौपट हो जाएगा।पिछले सप्ताह डेर स्पीगल, एक जर्मन अखबार, द्वारा रिपोर्ट किए गए इस मामले ने जर्मनी में इंटरनेट पर डिजिटल हिंसा को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।250 से अधिक प्रमुख जर्मन महिलाओं ने सरकार से लोगों को डिजिटल यौन हिंसा से बचाने का आह्वान किया है।कई अन्य देशों में भी अपने बच्चे के मासूम बचपन को पुनरू प्राप्त करें नाम से अभियान चल रहे हैं, जो इस बात पर जोर देते हैं कि बच्चों के लिए अनियंत्रित ऑनलाइन डाटा और प्रोग्रामों का संपर्क बेहद हानिकारक है, क्योंकि ये उन्हें हिंसक, यौन और फर्जी सामग्री का आदी बनाकर मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कभी-कभी अपूरणीय क्षति भी हो सकती है।जबकि ऑस्ट्रेलिया और स्पेन ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्या अब भारतीय राज्य और केंद्र सरकारों के लिए 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून बनाने का समय नहीं आ गया है? इस बीच, क्या माता-पिता को भी सक्रिय रूप से अपने छोटे बच्चों की आनलाइन गतिविधियों की निगरानी नहीं करनी चाहिए और उन्हें इंटरनेट के उपयोग से रोकना नहीं चाहिए? कुछ माता-पिता का तो यह भी कहना है कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को सीमित स्क्रीन टाइम दिया जाना चाहिए।

विधानसभा चुनाव 2026: तेज हो रही है महिला वोटरों को लुभाने की होड़



पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। पश्चिम बंगाल और असम में विधानसभा चुनावों से पहले सत्ता के दावेदारों में महिला वोटरों को लुभाने की होड़ मची है। इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ उनको चुनौती देने वाले दल भी इस मामले में पीछे नहीं हैं।भाजपा इन राज्यों में अलग-अलग भूमिकाओं में है।बंगाल में वह जहां इस बात सत्ता में आने का सपना देख रही है वहीं असम में उसका जोर जीत की हैट्रिक लगाने पर है। इन दोनों राज्यों में समानता यह है कि यहां महिला वोटरों की तादाद कुल वोटरों का करीब 50 फीसदी है और चुनावी नतीजे तय करने में इनकी भूमिका निर्णायक होती है।बिहार में बीते साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खাতে में 10-10 की रकम भेजने के फैसले ने एनडीए की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह असम सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले राज्य की करीब 40 लाख महिलाओं के खাতে में तीन हजार छह सौ करोड़ रुपए भेजे हैं। पश्चिम बंगाल में

तो अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है।

लगातार तमाम योजनाएं शुरू करती रही हैं। इनमें लक्ष्मी भंडार सबसे महत्वपूर्ण है। इस बार चुनाव से

बिहार में बीते साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खাতে में 10-10 की रकम भेजने के फैसले ने एनडीए की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह असम सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले राज्य की करीब 40 लाख महिलाओं के खাতে में तीन हजार छह सौ करोड़ रुपए भेजे हैं। पश्चिम बंगाल में तो अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। इन महिला वोटरों ने ही वर्ष 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कड़ी चुनौती से निपटने में ममता बनर्जी की मदद की थी। वर्ष 2021 के नतीजों से साफ है कि उस समय तृणमूल कांग्रेस को महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे जबकि भाजपा के मामले में यह आंकड़ा 37 फीसदी था। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए लगातार तमाम योजनाएं शुरू करती रही हैं। इनमें लक्ष्मी भंडार सबसे महत्वपूर्ण है। इस बार चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री ने इसके तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम में पांच-पांच सौ रुपए की वृद्धि कर दी है। शुरूआत में इसके तहत हर महीने पांच सौ रुपए दिए जाते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ममता ने यह रकम पांच सौ रुपए बढ़ा दी थी और अब चुनाव से ठीक पहले इसमें और पांच सौ रुपए जोड़ दिए गए हैं। अब सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 15 सौ और अनुसूचित जाति व जनजाति तबके की महिलाओं को 17 सौ मिल रहे हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में ममता बनर्जी के समर्थन के बाद सरकार ने महिलाओं के हित में कन्याश्री और रूपश्री जैसी योजनाएं शुरू की थी। इनके तहत लड़कियों को शिक्षा और शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि पार्टी को इन कल्याण योजनाओं का फायदा मिला है। लेकिन उनकी दलील है कि पार्टी का मकसद राज्य की महिलाओं को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाना है। दूसरी ओर, भाजपा भले तृणमूल पर महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने के आरोप लगाती हो, इन वोटरों की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ही उसने सत्ता में आने की स्थिति में लक्ष्मी भंडार की जगह अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने तीन हजार रुपए देने का वादा किया है। बंगाल में भी महिला वोटरों की संख्या लगभग पुरुष वोटरों को बराबर है। खासकर इस राज्य में महिलाएं पुरुषों, के मुकाबले ज्यादा मतदान करती रही हैं। महिलाएं दिलाएंगी तीसरी बार सत्ता? असम में भी सत्तारूढ़ भाजपा महिलाओं की कल्याण योजनाओं के बूते तीसरी बार सरकार बनाने का सपना देख रही है। चुनाव के एलान से ठीक पहले अरुणोदय योजना के तहत 40 लाख महिलाओं के खাতে में 3600 करोड़ की रकम भेजी गई। इसके अलावा स्वनिर्भर नारी योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनको एकमुश्त 10 हजार रुपए की सरकारी सहायता दी जाती है। असम में महिला वोटरों की तादाद 1।20 करोड़ है। भाजपा को चुनौती देने वाली प्रदेश कांग्रेस ने भी सत्ता में आने की स्थिति में राज्य की महिलाओं के बैंक खাতে में हर महीने बिना शर्त रकम भेजने के साथ ही अपना कारोबार शुरू करने या उसे बढ़ाने की इच्छुक महिलाओं को 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल और असम में महिलाएं राजनीतिक रूप से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। भले ही कई तमाम राजनीतिक दल उनको टिकट देने में कंजूसी बरते, लेकिन उनके वोट सबके लिए अहम हैं। यही वजह है कि उनको लुभाने की होड़ लगातार तेज हो रही है। खासकर नजदीकी मुकाबले वाली सीटों में महिलाओं के एक या दो फीसदी वोट नतीजे बदल सकते हैं।

राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। इन महिला वोटरों ने ही वर्ष 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कड़ी चुनौती से निपटने में ममता बनर्जी की मदद की थी। वर्ष 2021 के नतीजों से साफ है कि उस समय तृणमूल कांग्रेस को महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे जबकि भाजपा के मामले में यह आंकड़ा 37 फीसदी था।पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए

ठीक पहले मुख्यमंत्री ने इसके तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम में पांच-पांच सौ रुपए की वृद्धि कर दी है। शुरूआत में इसके तहत हर महीने पांच सौ रुपए दिए जाते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ममता ने यह रकम पांच सौ रुपए बढ़ा दी थी और अब चुनाव से ठीक पहले इसमें और पांच सौ रुपए जोड़ दिए गए हैं। अब सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 15 सौ और अनुसूचित जाति व जनजाति तबके की महिलाओं को 17 सौ मिल रहे हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में ममता बनर्जी के समर्थन

भाजपा द्वारा बंगाल भेजे गए चुनाव पर्यवेक्षक स्थानीय लोगों के निशाने पर

तीर्थंकर मित्रा
पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, परन्तु भाजपा को पश्चिम बंगाल इकाई अभी भी अपनी स्थिति ठीक नहीं कर पाई है। राज्य में पार्टी का संगठन काफी बिखरा हुआ है। इस बात का खुलासा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने तब हुआ, जब वे इस हफ्ते चुनाव प्रचार की देखरेख के लिए कोलकाता आए थे। भाजपा अध्यक्ष को एक अप्रिय आश्चर्य का उस समय सामना करना पड़ा, जब उन्होंने राज्य के बाहर से आए नेताओं के काम-काज की समीक्षा शुरू की। पिछले चुनावों के अनुभव को देखते हुए, इन नेताओं को पश्चिम बंगाल में भाजपा के चल रहे चुनाव प्रचार में तेजी और गति लाने के लिए तैनात किया गया है। लेकिन भगवा खेमे के सूत्रों ने बताया कि ये नेता उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रहने के बजाय, अपने होटल के कमरों की वातानुकूलित सुख-सुविधाओं में शरारामश फरमा रहे हैं। चुनाव प्रचार की भाग-दौड़ और गर्मी-धूल से दूर, ये नेता पार्टी के उम्मीदवारों की चुनावी जीत सुनिश्चित करने के अभियान के बारे में आशावादी रिपोर्ट भेज रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि

इन्में से कुछ नेता तो राज्य में मौजूद भी नहीं हैं। जानकारी मिली है कि वे चुनावी मैदान से दूर रहते हुए भी पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी कर रहे हैं। इन अनुपस्थित नेताओं के रवैये का चुनाव प्रचार पर बुरा असर पड़ा है, खासकर उन विधानसभा क्षेत्रों में जहां नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया है। क्योंकि न तो उम्मीदवार और न ही उनके समर्थक, पार्टी के उन वरिष्ठ पदाधिकारियों के सामने अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जो इन अनुपस्थित नेताओं से ऊंचे पद पर हैं। सुवंदु अधिकारी, दिल्ली घोष या अग्निमित्रा पॉल जैसे दिग्गज उम्मीदवारों को इस तरह की मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ता है। वे अपना चुनाव प्रचार अपने दम पर करते हैं। जहां तक राज्य के बाहर से आए नेताओं की बात है, ऐसा लगता है कि वे स्थानीय नेताओं के निर्देशों को दरकिनार कर रहे हैं। लेकिन चूंकि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं होती, इसलिए चुनाव प्रचार की गति धीमी पड़ रही है। नवीन की बैठक में गुटबाजी भी खुलकर सामने आ गई। जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुछ लापरवाह नेताओं को कड़ी फटकार लगा रहे थे, तभी उन्होंने पाया कि पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार बैठक से

अनुपस्थित थे। जाहिर है, मजूमदार, जो एक केंद्रीय राज्य मंत्री हैं और इस चुनाव में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं, उन्हें इस अहम बैठक में नहीं बुलाया गया था। मजूमदार को बैठक से गैर-मौजूदगी ऐसे समय में एक गलत संकेत देती है, जब भगवा खेमे का राष्ट्रीय नेतृत्व एकजुट होने का संदेश दे रहा है। इसके अलावा, चुनाव नामांकन के बंटवारे को लेकर भगवा खेमे में असंतोष पनप रहा है। सॉल्ट लेक स्थित पार्टी दफ्तर में नितिन नवीन की एक बैठक होनी थी, जिसे एक होटल में शिफ्ट कर दिया गया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि आशंका थी कि जिन कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं मिला है, वे जोरदार विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। जिलों से ऐसे कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन की खबरें आई हैं, जो भाजपा की टिकट पाने की उम्मीद कर रहे थे। सड़कों पर टायर जलाकर जाम लगाने की घटनाएं भी हुई हैं। हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के एक पार्टी दफ्तर में विरोध प्रदर्शन भड़क उठा। दफ्तर में तोड़फोड़ की घटना की जानकारी राष्ट्रीय पार्टी प्रमुख को दी गई है। मामले को और भी बदतर बनाने वाली बात यह है कि नवीन को स्थानीय नेताओं और राज्य के बाहर से आए नेताओं के बीच विश्वास की कमी की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है।इसकी जड़ जिला पार्टी दफ्तरों में क्लोज सिक्रेट कैमरे और साउंड रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाने में देखी जा सकती है। बर्धमान से ऐसी खबरें आई हैं। स्थानीय नेताओं ने यह बात उठाई है कि निगरानी की यह प्रक्रिया उन्हें और राज्य के बाहर से आए नेताओं के बीच तालमेल बिटाने में मददगार साबित नहीं होगी। इस तरह, राज्य के बाहर से आए नेता स्थानीय नेतृत्व पर नजर रख रहे हैं। यह स्थिति स्थानीय नेताओं और उनकी मदद के लिए बाहर से लाए गए नेताओं के बीच की खाई को और भी गहरा कर देगी। इसके अलावा, यह मतदाताओं के बीच भगवा खेमे की विश्वसनीयता में कमी की स्थिति को उजागर करेगा।

पांच राज्य के चुनाव विपक्ष के लिए मौका, मोदी का सबसे कमजोर समय

शकील अख्तर
ईरान युद्ध और उसके नतीजे में देश में गैस और पेट्रोल की किल्लत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की खबर दब गई। मगर विपक्ष के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। तीन राज्यों केरल असम और पुडुचेरी में तो नामांकन की प्रक्रिया खत्म भी हो गई है। यहां 10 दिन बाद मतदान है।9 अप्रैल को। बाकी दो राज्यों बंगाल और तमिलनाडु में नामांकन चल रहा है। बंगाल में दो चरणों में चुनाव होना है। पहला चरण 23 अप्रैल को है। उसी दिन तमिलनाडु में भी चुनाव है।एक ही दिन में। यहां के लिए नामांकन चल रहे हैं।6 अप्रैल को खतम हो जाएंगे।फिर बंगाल में दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। विपक्ष के लिए एक मौका है। मैच फिनिशर बनने का। वह पूरे मैच में अच्छा खेलता है। मगर मैच हाथ से निकल जाता है। जनता का विश्वास इससे टूटता है।इसमें कांग्रेस का परसेन्टेज सबसे ज्यादा है।मैच को हाथों से फिसल दिए जाने का। इन पांच राज्यों में केवल एक राज्य का सत्ता में ही कांग्रेस का सीधा मुकाबला बीजेपी से है। हालांकि पुडुचेरी में भी मुकाबले में वही है। कांग्रेस से गए और क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बने एनडीए गठबंधन से। मगर बहुत छोटी विधानसभा है 30 सदस्यों की तो उसमें किसी कि रूचि ज्यादा नहीं है। बाकी सबसे ज्यादा चर्चा में बंगाल का चुनाव

है। पिछले दो विधानसभा चुनाव से जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने बंगाल में पूरी ताकत झोंक रखी है। मगर पिछले 12 सालों में उनसे लड़ने में क्षेत्रीय दलों का रिकार्ड अच्छ है। ममता ने दोनों बार



2016 और 2021 में भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं होने दिए। लेकिन इस बार एक नए हथियार से वोट काटकर वह ममता को कमजोर करना चाह रहे हैं।अभी तक 76 लाख लोगों के नाम काटे जा चुके हैं और अभी फइनल मतदाता सूची नहीं आई है। आशंका है कि एक करोड़ के लगभग वोट काटे जा सकते हैं। राज्य के कुल सहारा दे सकती है। और इनमें से एक करोड़ का नाम कटने का मतलब 15 प्रतिशत मतदाता गायब करना।बहुत बड़ा आंकड़ा है।पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़ा हो गया है।सुप्रीम कोर्ट मामले को लगातार चलता जा रहा है। अब एक अप्रैल को सुनवाई है। मतदाता सूची अभी तक फाइनल नहीं है। नाम काटने की प्रक्रिया जारी है।

बंगाल सरकार का कहना है कि पहले चरण के लिए 6 अप्रैल को और दूसरे के लिए 9 अप्रैल को नामांकन खतम हो जाने के बाद मतदाता सूची में कोई फेरबदल नहीं हो सकता है। उससे पहले

फैला दिया गया है कि लोग कुछ करते ही नहीं। और अगर कोई कुछ करना चाहे तो कहते हैं क्या फायदा चुनाव आयोग जीता देगा ! सब सही है। मगर क्या इसका मतलब है विपक्ष हाथ पर हाथ धर्य बैठा रहे। चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है। मगर रूकेगा कैसे ? सुप्रीम कोर्ट तो उल्टा बंगाल सरकार को डांटता है कि उसके काम में बाधा मत बनो। मतलब वह नाम काट रहा है काटने दो। हल चुनाव जीतने में ही है। किसी भी तरह। ज्यादा से ज्यादा मेहनत करके। क्योंकि पिछले 12 साल में यह साफ हो गया है कि जिसकी सरकार सारी संवैधानिक संस्थाएं उसकी। अपनी स्वतंत्रता स्वायत्तता को खोने में उन्हें कोई गुरेज नहीं।इन्हें अगर वापस लाइन पर लाना है तो हाथ में ताकत होना चाहिए। नहीं तो। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव धांधलियों का पूरी तरह पदाफाश कर दिया। नाम गलत जोड़ किस तरह जाते हैं और काटे किस तरह जाते हैं। यह दो प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने मय सबूतों के दिख दिया। मगर किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। यह काम करते रहना चाहिए मगर उन लोगों की बातों में बिल्कुल नहीं आना चाहिए जो कहते हैं कि चुनाव आयोग जीतने ही नहीं देगा। अभी राज्यसभा चुनाव में क्या हुआ ? तीन राज्यों में कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा को वोट दिए। दो में विपक्ष का प्रत्याशी हार गया।

नेपाल में नया युग

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जेन जी (नयी पीढ़ी)

आंदोलन से हुई बड़ी राजनैतिक उथल-पुथल के बाद सत्ता के नए युवा युग की शुरूआत हुई है। 35 बरस के बालेन शाह ने नेपाल के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शुक्रवार को शपथ ली। रैपर-गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काटमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बात दिया था कि जेन जी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। इससे पहले बांलादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल-पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं। अब नजरें नेपाल के नए नेतृत्व पर हैं। दरअसल समृद्ध और विकास की ओर बढ़ते पड़ोसी देशों से भारत का विकास और सुखशी भी जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से तो भारत के संबंधों में तल्खी और अविश्वास बने ही रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि नेपाल और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध मजबूत रहें और उन्हें चीन के प्रभाव में न आने दिया जाए। इसके लिए भारत को अभी से मजबूत रणनीति बनानी होगी। ध्यान देने की बात है, राजशाही के बाद नेपाल में बनी तमाम सरकारें कमोबेश चीन के प्रभाव में रही हैं।नेपाल का चीन के साथ होने में कोई आपत्ति नहीं, लेकिन फिर उस वजह से भारत का विरोध नहीं होना चाहिए।

यह एक हिंदू बहुल देश है, जिससे भारत से रोटी-बेटी के संबंध सदियों पुराने हैं। वैसे नेपाल में बालेन शाह ने ऐसे वक्त में सत्ता संभाली है, जब पूरी दुनिया पर मध्यपूर्व में चल रही जंग का असर दिखने लगा है। तेल की कीमतों में आग लगी हुई है और खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर अब काफी घट गए हैं। नेपाल से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए इन देशों में जाते हैं, लेकिन अब वे लौटेंगे तो इन लोगों को देश में ही रोजगार देना बहुत बड़ी चुनौती रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि हर दिन करीब 2,900 नेपाली काम के लिए विदेश जाते हैं और उनका भेजा पैसा देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। यह पैसा नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 26 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा प्रयागर, बरेजगारी और अक्षय प्रशासन को सुधारना भी बालेन शाह सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। क्योंकि इन्हीं कारणों से ही युवाओं की नाराजगी सत्ता के खिलाफ फूटी थी और जेन जी आंदोलन खड़ा हुआ था। बालेन शाह अगर इस मोर्चे पर आधे भी कामयाब होते हैं, तो नेपाल गरीबी और अभाव के दलदल से बाहर निकलने लगेगा। नयी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती राजनैतिक स्थिरता कायम करने की है। तीन करोड़ लोगों के इस देश में राजशाही खत्म होने के बाद से राजनीतिक स्थिरता लाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली। बल्कि राजशाही के दौर में भी सरकारों के बदलने का सिलसिला जारी था। ध्यान रहे कि 1990 से 2026 के बीच 32 सरकारें नेपाल की सत्ता में आईं और किसी भी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। बालेन शाह ने अगर प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सरकार को पांच

साल बनाए रखा, तो यह वाकई युगांतकारी घटना होगी। शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएस्पी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता देगा और ऑनलाइन माध्यम से सेवाएं देने का वादा किया था। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि वह देश की संरचना में पक्षपात खत्म करेगी। अब इन घोषणाओं पर कब तक अमल होता है, इस पर नेपाल की जनता निगाह रखेगी ही। वैसे प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि आंदोलन में मारे गए मुक्त छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उनके परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके। इस पर काम भी शुरू हो गया है। इसके अलावा बालेन शाह सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को भी शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया। ओली पर आंदोलन के दौरान हिंसा भड़काने और छात्रों की मौत का ठीकरा फोड़ा गया है। इस मामले में एक जांच समिति भी गठित की गई, जिसकी रिपोर्ट में कहा गया, शम्भूले ही गोली चलाने का सीधा आदेश साबित ना हुआ हो, लेकिन फायरिंग को रोकने का कोई प्रयास भी नहीं किया गया। कार्यकर्ता प्रमुख होने के नाते ओली को हर अच्छे-बुरे परिणाम के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि क्या ओली ने लापरवाही दिखाई जिस वजह से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इसके बाद यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओली की गिरफ्तारी के पीछे कोई राजनैतिक बदले की भावना है। क्योंकि खुद ओली ने अपनी गिरफ्तारी पर तौखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे श्वदले की कार्रवाईइ करार दिया है।



जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे..अमीषा पटेल ने सलमान संग शेयर की थोबैक तस्वीरें

शेयर किया दिलचस्प किस्सा



फिल्म कहो ना प्यार है से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अमीषा पटेल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। भले ही अब वो फिल्मों में नजर नहीं आती, लेकिन सोशल मीडिया पोस्ट्स से फैस का ध्यान खींचती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने फैस के साथ कुछ खास शोबैक तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। अमीषा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सलमान खान और अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों सितारों की बॉन्डिंग साफ झलक रही है और फैस को उनका ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों के साथ अमीषा ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा-लॉस एंजिल्स, यूएसए में मेरे जन्मदिन के जश्न की एक पुरानी याद-जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे!! सलमान खान के साथ जन्मदिन का सबसे प्यारा केक काटा, और वह हमेशा की तरह बेहद प्यारे लग रहे थे। जैसे ही अमीषा ने ये तस्वीरें शेयर कीं, फैस ने उन्हें हाथों-हाथ लिया। पोस्ट पर लगातार लाइम्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। कई लोग उनकी और सलमान की दोस्ती की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ पुराने दौर को याद करते नजर आ रहे हैं। अमीषा पटेल और सलमान खान बड़े पढ़े पर भी साथ नजर आ चुके हैं। दोनों ने साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म ये है जलवा में साथ काम किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया था।

दूसरी बार नाना बने अनिल कपूर ने जाहिर की अपनी खुशी

कहा-मेरा दिल और भी बड़ा हो गया

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की खुशी इन दिनों सातवें आसमान पर है। हो भी क्यों न भाई..एक्टर दूसरी बार नाना जो बन गए हैं। हाल ही में उनकी बेटी व एक्ट्रेस सोनम



कपूर ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। ऐसे में अनिल कपूर दूसरी नाना बनने से खुशी से झूम उठे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जाहिर की है और बेटी-दामाद को बधाई दी है। सोनम कपूर और आनंद आहूजा के घर 29 मार्च 2026 को दूसरे बेटे की किलकारी गूँजी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जाईंट पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी थी। वहीं, अब बेटी-दामाद के बाद अनिल कपूर ने भी पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी बयां की है। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा-और बस यूं ही... मेरा दिल और भी बड़ा हो गया है। इस दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, मेरे नन्हे-मुनये तुम्हें अभी से ही बहुत-बहुत प्यार मिल रहा है। अनिल कपूर ने अपने बड़े नाती वायु के लिए भी खास मैसेज लिखा। उन्होंने कहा-वायु, अब तुम बड़े भाई बन गए हो... और मुझे पता है कि तुम एक बेहतरीन भाई बनोगे। धन्यवाद, सोनम और आनंद... नाना का दिल खुशी से भर गया है। इस दीवानगी भरी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है। मेरे बच्चे-प्यार से भरी एक पूरी जिंदगी में तुम्हारा स्वागत है। बता दें, सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने साल 2018 में शादी की थी। उन्होंने अपने पहले बेटे वायु का 2022 में स्वागत किया था। नवंबर 2025 में सोनम ने अपनी दूसरी प्रेनेसी की घोषणा की थी और फरवरी 2026 में उनका बेबी शूवर भी हुआ था। अब दूसरे बेटे के आगमन के साथ कपूर परिवार में खुशियों का माहौल है और फैस भी इस खबर से काफी उत्साहित हैं।

अगर मैं मर जाऊं तो मेरी राख..इस वजह हुआ था जरीन खान हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार

बेटे जायद खान ने किया खुलासा

पिछले साल फेमस इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान की मां और पूर्व एक्ट्रेस जरीन खान का निधन हो गया था। जरीन खान को खोने से उनकी फैमिली को बड़ा धक्का लगा था। वहीं, जरीनखान के बेटे जायद खान ने हिंदू रीति-रिवाजों से अपनी मां का अंतिम संस्कार किया था। हालांकि, कई लोगों ने उनके मुस्लिम होकर हिंदू रिवाज से जरीन खान की अंतिम रस्में करने



पर सवाल उठाए थे। वहीं, अब हाल ही में आलोचना झेलने के बाद जायद खान ने अपनी मां का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार करने की वजह का खुलासा किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में जायद खान अपनी मां जरीन खान के हिंदू रीति रिवाज से कि अंतिम संस्कार को लेकर उठे सवालों पर जवाब दिया। जायद ने बताया कि उनके घर में इंसानियत सर्वोपरि है। उनके कर्मचारी कई तरह के बैकग्राउंड से आते हैं और उनके रहने, खाने और अन्य खर्चों का ख्याल रखने के अलावा, उनका परिवार यह भी देखता है कि उनके बच्चों को सभी मौके मिलें। उन्होंने कहा हमारा परिवार धर्म को एक बहुत ही निजी मामला मानता है, और इसे देखने का तरीका अलग-अलग होता है, न कि यह कि कौन सा बेहतर है और कौन सा बुरा। ये ऐसी बातें नहीं हैं जिन पर बहस करना उचित है। हम खुद को एक धर्मनिरपेक्ष परिवार मानते हैं और हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्यों। आगे जायद ने अपनी मां की अंतिम इच्छा का खुलासा करते हुए उस दिन को याद किया जब वह एक सुंदर नदी के किनारे बैठी थीं और उनके मन में अचानक यह विचार आया कि अगर मैं कभी मर जाऊं, तो मैं चाहती हूँ कि मेरी राख इस नदी में बह जाए। मैं मुक्त होना चाहती हूँ। आपकी मां की जो भी अंतिम इच्छा होगी, वही पूरी होगी। दूसरे लोग कुछ भी कहें, कोई फर्क नहीं पड़ता। वे कितने भी नफरत भरे क्यों न हों, कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उन्हें दोष नहीं देता, हालात ऐसे हैं, दुर्भाग्य से। उन हालातों को बदलने में वक्त लागता। बता दें, जायद खान और सुजैन खान की मां और एक्ट्रेस जरीन खान का पिछले साल 7 नवंबर को मुंबई में निधन हो गया था। वह 81 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं। उग्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया था।

चौथे बच्चे के पिता बने एक्टर विविथन डीसेना

तीन बेटियों के बाद घर आया नन्हा शहजाद

मनोरंजन जगत से इस वक्त एक के बाद एक गुड न्यूज सामने आ रही है। जहां बीते रविवार एक्ट्रेस सोनम कपूर ने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। वहीं, टीवी के जाने-माने एक्टर विविथन डीसेना भी एक बार फिर से पिता बन गए हैं। हाल ही में उन्होंने बीवी नूरान संग चौथे बच्चे का स्वागत किया



है। इस बात की खुशखबरी एक्टर ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 18 में नजर आ चुके विविथन डीसेना की पहले से ही तीन बेटियां हैं, जिनमें दो सौतेली बेटियां हैं। अब उन्होंने चौथे बच्चे के तौर पर एक बेटे का स्वागत किया है। विविथन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बेटे के जन्म की पुष्टि की। उन्होंने लिखा- शकुल समय के लिए लाइमलाइट से दूर रहा लेकिन इसका एक कारण था। कुछ कहानियां घोषित नहीं की जाती, उन्हें पहले जिया जाता है। चुप्पी ने ही सब कुछ कह दिया हमारा परिवार अब और बड़ा हो गया है और इस बार, एक राजकुमार आया है। निजी जिंदगी की बात करें तो विविथन ने मिस्र की पत्रकार नूरान अली से साल 2022 में शादी की थी। नूरान की पहले भी एक शादी हो चुकी है, जिससे उनको दो बेटियां थी। ऐसे में शादी के बाद अब विविथन कुल 4 बच्चों के पिता बन गए हैं।

कांतारा फेम एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा इस पीरियड एक्शन ड्रामा में आएंगी नजर

बड़े लेवल पर हो रही फिल्म की तैयारी



एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा को लेकर खबर आ रही है कि वह जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म में नजर आ सकती हैं। सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरि की फिल्म पॉपकॉन मंकी टाइगर से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना

शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपेक्षा सामने आ रही है। 500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म उग्रयुद्ध में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म

बताया ड्रीम प्रोजेक्ट यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने उग्रयुद्ध को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में द राइज ऑफ अशोकामें नजर आने के बाद उग्रयुद्ध उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो सलार में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। हलागली में भी नजर आएंगी सप्तमी उग्रयुद्ध के अलावा सप्तमी गौड़ा एक और पीरियड फिल्म हलागली में भी नजर आएंगी, जिसे सुके श नायक डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें धनंजय भी उनके साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है।

अल्लू अर्जुन की 25वीं फिल्म का ऐलान! पहली बार मलयालम फिल्ममेकर के साथ करेंगे काम, ये होगा मूवी का नाम



एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों तमिल डायरेक्टर्स एटली और लोकेश कनगराज के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी अपेक्षा सामने आ रही है। इस समय अल्लू अर्जुन अपनी बड़ी फिल्म अअ22 में बिजी हैं, जिसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। इसके बाद उनकी फिल्म लोकेश कनगराज के साथ इस साल शुरू होने वाली है। इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बेसिल जोसेफ के साथ करेंगे काम खबर आ रही है कि अल्लू अर्जुन अपनी 25वीं फिल्म के लिए मलयालम फिल्ममेकर और एक्टर बेसिल जोसेफ के साथ काम करने वाले हैं। इस फिल्म का टैटल नाम अअ25 बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक

इसका आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रोजेक्ट अब लगभग पक्का हो चुका है। इस फिल्म को लेकर चर्चा तब और तेज हो गई जब बेसिल जोसेफ को अल्लू अर्जुन, एटली और लोकेश कनगराज के साथ एक इवेंट में देखा गया। यह इवेंट अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरिश की शादी के दौरान हुआ था। इसके बाद से ही ये खबरें आने लगीं कि बेसिल, अल्लू अर्जुन को डायरेक्ट करने वाले हैं, और अब कहा जा रहा है कि यह डील फाइनल हो चुकी है। अल्लू अर्जुन और बेसिल जोसेफ के बारे में अगर ऐसा होता है तो यह पहली बार होगा जब अल्लू अर्जुन किसी मलयालम डायरेक्टर के साथ काम करेंगे। केरल में उनकी फैन फॉलोइंग पिछले 20 वर्षों से काफी मजबूत रही है। उनकी फिल्मों जैसे आर्वा,

हैपी और हाल ही में पुष्पा ने उन्हें अलग-अलग जगहों पर और भी ज्यादा पॉपुलर बना दिया है। बेसिल जोसेफ अपनी फिल्म मिन्ल मुरली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म को लोकल स्टोरी के साथ नए आईडियाज की वजह से काफी सराहा गया था। इसे देश और विदेश दोनों जगह अच्छा रिसपॉन्स मिला था। आधिकारिक घोषणा का इंतजार रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नई फिल्म अगले साल शुरू हो सकती है और इसे गीता आर्ट्स प्रोड्यूस करेगा, जिसे अल्लू अरविंद चलाते हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट और टीम के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं यह भी चर्चा है कि अपनी 23वीं फिल्म लोकेश कनगराज के साथ पूरी करने के बाद अल्लू अर्जुन डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के साथ भी काम कर सकते हैं।

कराची। पीएसएल 2026 में शाहीन अफरीदी और सिकंदर रजा पर होटल में बिना अनुमति मेहमानों को लाने का आरोप लगा है। पुलिस ने इसे सुरक्षा उल्लंघन बताया है। टीएम ने मामले की पुष्टि की है और जांच जारी है, जिससे दूनमेंट एक और विवाद में घिर गया है। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के बीच एक और विवाद ने सुर्खियां बटोर ली हैं। लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन अफरीदी और अल्लरउड डर सिकंदर रजा पर सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों ने शाहीन रजा को जबरन होटल के कमरे तक पहुंचाया, जबकि इसके लिए पहले ही अनुमति नहीं दी गई थी। पुलिस की चिट्ठी में क्या खुलासा? स्थानीय पुलिस अधिकारी द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) और पीएसएल अधिकारियों को भेजी गई चिट्ठी में बताया गया कि इन चार मेहमानों को होटल में प्रवेश देने की अनुमति पहले ही खारिज कर दी गई थी। यह भी आरोप लगाया गया कि टीम मैनेजमेंट की ओर से कई बार अनुमति मांगी गई, लेकिन सुरक्षा कारणों से हर बार इनकार कर दिया गया। इसके बावजूद शाहीन और रजा ने ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों को नजर अंदाज करते हुए मेहमानों को अंदर ले गए। टीएम की समाधि इस पूरे मामले पर लाहौर कलंदर्स के मीडिया हेड उमर फारूक ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की जानकारी है और हम इस मामले में पीएसएल अधिकारियों के संपर्क में हैं।' हालांकि, अभी तक दोनों खिलाड़ियों की ओर से कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है।

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला

एक भारतीय की मौत; पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव



कुवैत सिटी (एजेंसी)। ईरान की तरफ से कुवैत पर हमला किया गया है, जिसमें एक भारतीय मजदूर की मौत हो गई है। पश्चिम एशिया में हालात तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। कुवैत, लेबनान और इज्राइल के बीच बढ़ती घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है, जिससे आम लोगों और

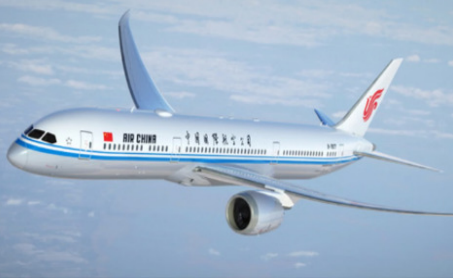
पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के एक महीने के दौरान भारतीय नागरिकों की मौतों की संख्या आठ हो गई है। हमले के बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीम तैनात मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रमक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य

संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें। सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीम लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं। भारतीय दूतावास, कुवैत ने मृतक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण निधन बताया। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा 'दूतावास कुवैत की अधिकारियों के साथ मिलकर सभी संभव सहायता प्रदान करने के लिए निकटता से काम कर रहा है।'

चीन-उत्तर कोरिया के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू, कोरोना महामारी की शुरूआत से थी बंद

बीजिंग (एजेंसी)। चीन और उत्तर कोरिया के बीच छह साल बाद सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू हो गई है। यह

प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी। यह कदम दोनों देशों के बीच यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के



उड़ान सेवा बीते छह वर्षों से बंद थी और इसके चलते उत्तर कोरिया जाने वाले चीनी पर्यटकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले चीन और उत्तर कोरिया के बीच ट्रेन सेवा भी बहाल हो चुकी है। चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी वांग याजुन और अन्य राजनयिकों ने

कुछ ही समय बाद उठाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की इस उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग याजुन और अन्य राजनयिकों ने किया। इससे पहले, 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा भी दोबारा शुरू की गई थी। कोरोना महामारी की शुरूआत से बंद थी ट्रेन और हवाई सेवाएं कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से चीन ने उत्तर कोरिया के लिए उड़ान और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह

होर्मुज के चलते रोजाना 8-10 मिलियन बैरल तेल आपूर्ति टप

कीमतों में लंबी उछाल तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया का युद्ध अब वैश्विक तेल और गैस बाजार को झकड़ रहा है। होर्मुज के प्रभावित होने से रोजाना लाखों बैरल तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी सप्लाई रुक गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इससे पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल की भारी कमी और कीमतों में लंबी तेजी तय है। हालात 1973 जैसे बड़े ऊर्जा संकट की याद दिला रहे हैं, जहां दुनिया को जल्द राहत मिलती नहीं दिख रही। ईरान युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार गहरे संकट में प्रवेश कर चुका है। एस एंड पी ग्लोबल के सीईओएफ वीक सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों के सीईओ ने चेतावनी दी कि



होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रोजाना 8.8 मिलियन (80-100 करोड़) बैरल तेल और वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का करीब 20% बाजार से बाहर हो गया है। इससे जेट फ्यूल, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति में भी अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है, जिसकी लहर एशिया से यूरोप तक तेजी से फैल रही है और कीमतों में दीर्घकालिक उछाल अब लगभग तय माना जा रहा है। कॉर्पोरेटफिलिप्स के सीईओ रयान लांस ने स्पष्ट कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में तेल और गैस को वैश्विक बाजार से हटाने के गंभीर परिणाम अपरिहार्य हैं। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के सीईओ शेख नवाफ अल-सबाह ने इसे खाड़ी

तेल उत्पादकों के खिलाफ आर्थिक नकेबंदी करार देते हुए कहा कि ईरान ने होर्मुज को बंद कर वैश्विक पर डि-फैक्टो नियंत्रण है और यह संकट अभूतपूर्व है। एलएनजी सप्लाई पर दबाव, तत्काल राहत नहीं चेनीयर के सीईओ जैक फुस्को ने कहा कि कंपनी पूरी क्षमता पर उत्पादन कर रही है, लेकिन अमेरिका से एशिया तक एलएनजी पहुंचाने में 28 दिन लगते हैं। ऐसे में कतर पर निर्भर एशियाई देशों को तुरंत राहत मिलना मुश्किल है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ वली नसर के अनुसार ईरान युद्धविराम नहीं बल्कि व्यापक समझौता चाहता है, जिसमें

रूस ने ब्रिटिश राजनयिक को किया निष्कासित, जासूसी का लगाया आरोप; दो हफ्ते के भीतर देश छोड़ने का आदेश

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने जासूसी और गलत जानकारी देने के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक को मान्यता रद्द कर उसे दो हफ्तों में देश छोड़ने का आदेश दिया। इसके अलावा, रूसी विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की कार्यवाहक उच्चायुक्त कोतलव किया है। रूस ने सोमवार को जासूसी के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक को देश से निष्कासित किया और उसे दो हफ्तों के भीतर मॉस्को को छोड़ने का आदेश दिया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने यह जानकारी दी। एफएसबी सोवियत काल की केजीबी की प्रमुख उत्तराधिकारी संस्था है। इसने एक बयान में कहा, जानसे वेन रेंसबर्ग की मान्यता रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्हें दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ने का आदेश दिया गया है। इससे पहले सोमवार को रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की कार्यवाहक उच्चायुक्त डैने डोलाक्रिया को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, यह कदम इस खुलासे के बाद उठाया गया कि ब्रिटिश दूतावास के एक कर्मचारी ने देश में प्रवेश पाने के लिए अपने बारे में 'जानबूझकर गलत जानकारी' दी थी। मंत्रालय ने कहा, एफएसबी ने अपनी खुफिया विरोधी गतिविधियों के दौरान पाया कि मॉस्को में ब्रिटिश दूतावास के नाम पर ब्रिटेन की खुफिया मौजूदगी छिपाई जा रही थी। इसने आगे कहा, रूसी कानूनों के उल्लंघन और 1961 के वियना सम्मेलन (कन्वेंशन) के अनुच्छेद 9 के अनुसार इस व्यक्ति की मान्यता रद्द किए जाने की जानकारी ब्रिटिश पक्ष को दी गई।



राष्ट्रपति ट्रंप के विमान एयर फोर्स वन की सुरक्षा में बड़ी चूक, तुरंत भेजे गए एफ-16 लड़ाकू विमान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को बड़ी चूक हुई। दरअसल एक नागरिक विमान ने फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन के उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन कर दिया। जिसके चलते तुरंत लड़ाकू विमानों को रवाना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को उस समय भारी चूक हुई, जब एक नागरिक विमान ने राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन के करीब उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया। जिसके चलते अफरा-तफरी का माहौल बन गया और तुरंत एफ-16 लड़ाकू विमानों को सुरक्षा के लिए भेजा गया और फ्लोरिडा का इस्तेमाल किया गया। नागरिक विमान ने एयर फोर्स वन के उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, घटना रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घटी। घटना के चलते अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही रोक दी और नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के विमानों को तुरंत रवाना कर नागरिक विमानों को रोक लिया गया। हालांकि व्हाइट हाउस ने बताया कि न तो एयर फोर्स वन और न ही राष्ट्रपति ट्रंप को खतरा था। टडफ्थउद्धारा जारी बयान के अनुसार, एफ-16 लड़ाकू विमानों ने 29 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1.15 बजे पाम बीच के ऊपर विमान को रोका। नागरिक विमान ने उस क्षेत्र में लागू अस्थायी उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया था।

उत्तर-पश्चिम भारत में बर्फबारी, मैदान में बारिश; जम्मू-कश्मीर में दो हाईवे बंद, हिमाचल में रेलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी ईरान और उससे संटे कैस्पियन सागर के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम के मिजाज में बदलाव आया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और घाटी में मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। पंजाब और हरियाणा समेत मैदानी राज्यों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश दर्ज की गई है। संभावना है कि आने वाले हफ्ते में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुर्रू और मंडी में सोमवार को आंधी का येलो अलर्ट जारी किया गया

है, लेकिन निवेशकों की चिंता बनी रही। 28 फरवरी को अमेरिकी कच्चा तेल 49% बढ़कर 99.64 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट 55% उछलकर 112.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जो तीन साल का उच्चतम स्तर है। सरकारें सुरक्षित कर रहीं अपना तेल भंडार, बिगड़े गी स्थिति टोटलएनजी के सीईओ पैट्रिक पुइयाने के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल और डीजल 160 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी है जो अस्थायी उछाल है। रूस और चीन ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर रोक लगा दी है, जबकि थाईलैंड में पेट्रोल की राशनिंग शुरू हो गई है।

इससे सटे पूर्वी भारत में इस सप्ताह छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा के साथ गरज, चमक और तेज हवा चलने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में 30 मार्च से 1 अप्रैल के दौरान छिटपुट भारी वर्षा भी हो सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में इस सप्ताह छिटपुट वर्षा के साथ गरज, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश: रोहतांग में बर्फबारी हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रा समेत ऊंचाई वाले अन्य क्षेत्रों में रविवार को बर्फबारी हुई। कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिले में रविवार सुबह से दोपहर तक ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ। रोहतांग दर्रा में 20, हिमपात में

'केरल के चुनाव में भाजपा अप्रासंगिक', कांग्रेस नेता ने केन्द्र पर साधा निशाना; लगाए गंभीर आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता के मुल्लीधरन ने केरल में भाजपा को अप्रासंगिक बताते हुए केन्द्र सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने मेट्रो और अक्रदर परियोजनाओं में देरी का मुद्दा उठाया और कहा कि राज्य में असली मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही है। तिरुवनंतपुरम की वट्टियूरकावु सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के मुल्लीधरन ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि

क्यों नहीं आई? उन्होंने एम्स की मांग का मुद्दा भी उठाया। मुल्लीधरन ने बताया कि उन्होंने सांपद रहते हुए दो बार संसद में केरल के लिए एम्स की मांग की थी। तब के द्र सरकार ने जवाब दिया था कि यह प्रस्ताव विजय विभाग के पास है, लेकिन आज तक इस पर कोई काम नहीं हुआ। मुल्लीधरन ने आरोप लगाया कि भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव के समय वादा किया था कि जीत मिलने पर प्रधानमंत्री विशेष पैकेज की घोषणा करेंगे। प्रधानमंत्री शहर आए भी, लेकिन किसी पैकेज का ऐलान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कुछ सीटों को छोड़कर केरल में मुख्य मुकाबला केवल यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही है।

उत्तर रेलवे
निविदा समापन तिथि बढ़ाने की सूचना
कैरेज एण्ड वैगन वर्कशॉप, आलमबाग, लखनऊ में सामान्य विद्युत वायरिंग, बस ट्रकिंग एवं उक्त से सम्बंधित अन्य विद्युत कार्य हेतु एच.आई.टी. सी विद्युत/डब्ल्यू/आलमबाग/1800/2025-26 दिनांक 02.03.2026 द्वारा निविदाओं आमंत्रित करने की तिथि को प्रशासनिक कारणों से 06.04.2026 15:00 बजे तक बढ़ाया जाता है।
1068/2026
शाहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुजफ्फरबाद में रविवार को हल्की बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में हल्की बारिश हुई और कुछ स्थानों पर ओले गिरे। हिमाचल प्रदेश

नासा का रॉकेट उड़ान के लिए तैयार सुदूर हिस्से तक पहुंचने का सपना होगा साकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की असीम गहराइयों को चोरते हुए मानव एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है। करीब 50 साल बाद चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचने का सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। नासा का आर्टेमिस-कर्मिशन 5 लाख मील की ऐतिहासिक उड़ान के लिए तैयार है। यह मिशन सिर्फ चांद की परिक्रमा नहीं, बल्कि भविष्य में वहां मानव लैंडिंग और स्थायी बेस बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। करीब आधी सदी बाद मानवता एक बार फिर चांद की ओर लौटने के कगार पर है और अब वह ऐतिहासिक मिशन अपने निर्णायक चरण में पहुंच

चुका है। नासा का आर्टेमिस-कर्मिशन जिसके तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को 5 लाख मील से अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी, वह अंतरिक्ष यात्री चंद्रिका प्रसाद सिंह और अंतरिक्ष यात्री चंद्रिका प्रसाद सिंह और अंतरिक्ष यात्री चंद्रिका प्रसाद सिंह



की यात्रा पर भेजा जाएगा अब लॉन्च के बिल्कुल करीब है, क्योंकि स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट

भविष्य में वहां मानव लैंडिंग और स्थायी बेस बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। हालांकि, यह मिशन जितना महत्वाकांक्षी है, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि अंतरिक्ष यात्री पहली बार ऐसे यात्रा में उड़ान भरेंगे, जिसका मानव मिशन में पहले उपयोग नहीं हुआ। मार्च में तकनीकी खराबी के कारण टला यह मिशन अब अंतिम परीक्षणों के साथ लगभग तैयार है। नासा के इंजीनियरों ने हीलियम सिस्टम में आई समस्या को ठीक कर लिया है और लॉन्च से पहले उसकी गहन जांच पूरी हो चुकी है। चार अंतरिक्ष यात्री-अनुभव और पहली उड़ान का